छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 29 बैकुंठपुर, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

भूपेश बघेल ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। बिहार में तेजस्वी यादव को महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे की घोषणा होने पर कहा कि इसे कहते हैं सही समय पर सही निर्णय। आज पूरी तरह से स्पष्ट हो गया कि हमारा मुख्यमंत्री का चेहरा कौन है और उपमुख्यमंत्री का चेहरा कौन है? लेकिन एनडीए का चेहरा कौन है? नीतीश कुमार 20 साल से

मुख्यमंत्री हैं, लेकिन अभी भी एनडीए का चेहरा घोषित नहीं हुए हैं।

वहीं पिछले दिनों चर्चा में कहा कि अमित शाह ने नीतीश कुमार को क्या धमकी दी, चिराग पासवान को क्या धमकी दी, जीतन राम मांझी को क्या धमकी दी कि सबकी बोलती बंद है... हम खुलकर बात कहते हैं। वहां(एनडीए) बोलने की आजादी नहीं है। भाजपा या एनडीए में लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है।उन्होंने कहा कि बेटा जेल में है। उससे मिलने भी नहीं दिया जा रहा है। मुझे तो छोड़ो, मेरे परिवार, रिश्तेदार या करीबियों को भी बेटे चैतन्य बघेल से मिलने नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में कैसे दीवाली मनेगी? उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि दो दशक पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने बाबूजी को जेल भेजा था, लेकिन दीपावली के दिन उनसे मिलने की छूट मिल गई थी। पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह की कृपा से बेटा जेल में है। आज दीपावली है पर मुझे उससे मिलने की अनुमति नहीं है। बहरहाल, सबको दीपावली की शुभकामनाएं। पूर्व सीएम बघेल का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कांग्रेस ने इसे एक पिता की वेदना बताते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला।

गोवर्धन पूजा हमारी संस्कृति का आधार: स्वास्थ्य मंत्री

गोवंश संरक्षण से ही सशक्त होगा ग्रामीण भारत

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ (एमसीबी)। जिले के खड़गवां विकासखंड के ग्राम धनपुर स्थित श्रीहरि गौशाला में पारंपरिक आस्था और ग्रामीण उत्सव का प्रतीक गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम जनप्रतिनिधि, स्थानीय जनपद सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पशुपालकों के गाय, बैल, भैंस, बकरी आदि पशुओं की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण तथा रोग निवारण संबंधी दवाओं का वितरण किया गया। पशु चिकित्सा विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पशुओं के रखरखाव, पोषण,

दुग्ध उत्पादन वृद्धि तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह प्रकृति, गोवंश और मानव जीवन के गहरे संबंध का प्रतीक है। हमारी संस्कृति में गौ माता का स्थान सर्वोच्च है, और गोवंश संरक्षण से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। सरकार किसानों व पशुपालकों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ हर घर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि गौ ग्राम और गंगा हमारी सभ्यता की आत्मा हैं, और इन तीनों की रक्षा से ही भारत आत्मनिर्भर व समृद्ध बनेगा। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने गौ सेवा के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए श्री हरि गौशाला के संचालकों के कार्यों की सराहना की। अन्नकूट प्रसाद वितरण में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पूरे परिसर में भक्ति, आनंद और सामाजिक एकता का वातावरण व्याप्त रहा।

पांच दिन में पांच लाख से अधिक ने किए रामलला के दर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। भक्ति, भव्यता और विकास...दीपोत्सव में इन तीनों का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीराम की नगरी अयोध्या में जहां करोड़ों दीपों से विश्व कीर्तिमान रचा गया, वहीं इस आयोजन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। पिछले पांच दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दीपोत्सव के दौरान अयोध्या के कारोबारियों को आकस्मिक आय हुई है। 16 अक्तूबर से 22 अक्तूबर के बीच अयोध्या में करीब आठ लाख श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान 90 फीसदी होटल, रेस्टोरेंट फुल रहे। जलपान, प्रसाद सामग्री, राम नामी, फोटो विक्रेताओं को खूब आय हुई। अनुमान है कि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या की अर्थव्यवस्था में करीब पांच करोड़ का प्रवाह हुआ। दीपोत्सव में बने रिकॉर्ड का उत्सव मनाने अयोध्या में पिछले पांच दिनों से लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। दीपोत्सव के अगले दिन से लगातार तीन दिन छुट्टी होने के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ अयोध्या में उमड़ पड़ी। शाम के समय अयोध्या की भव्यता निहारने की ललक लोगों में ज्यादा दिखी। राम की पैड़ी के पास नींबू की चाय बेंच रहे एक फेरीवाले ने बताया कि वह दीपोत्सव के दौरान रोजाना करीब दो हजार चाय बेंच रहे थे। जबकि आम दिनों में 50 चाय बेंचना मुश्किल हो जाता था। व्यापारी नेता पंकज गुप्ता ने बताया कि दीपोत्सव ने अयोध्या की अर्थव्यवस्था को नया आयाम दिया है। छोटे-छोटे कारोबारियों को खूब लाभ हुआ है। कारोबार सामान्य दिनों की तुलना में तीन गुना बढ़ा।गाइड अभिषेक ने बताया कि पिछले एक सप्ताह में अमेरिका, आस्ट्रेलिया, स्पेन, कनाड़ा, हालैंड, फिजी, श्रीलंका, इंडोनेशिया, रूस व थाईलैंड से भी करीब 100 पर्यटक अयोध्या पहुंचे। उन्होंने रामलला, हनुमानगढ़ी सहित अयोध्या के अन्य स्थलों का भ्रमण व दर्शन-पूजन किया। विदेशियों में श्रीराम की फोटो खरीदने की ललक दिखी। कई विदेशी अयोध्या का प्रसाद व सरयू जल भी अपने साथ ले गए हैं। अर्थशास्त्री प्रो विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि दीपोत्सव में हुए कारोबार ने अयोध्या की अर्थव्यवस्था को बूम करने का काम किया है। पर्यटकों ने खूब खरीदारी की है। अर्थशास्त्री से बातचीत में बिड़ला धर्मशाला के सामने चंदन लगाने वाले युवक अनिल पांडेय ने बताया कि 18 से 22 अक्तूबर तक रोजाना चार से पांच हजार तक की आय हुई। आम दिनों में 500 रुपये की आय बमुश्किल होती थी। दीया बनाने वाले कुम्हारों को भी खूब आय हुई। एक प्रसाद व्यवसायी ने बताया कि जितनी आय तीन महीने में होती है, उतनी पिछले पांच दिनों में हुई है। उत्तरप्रदेश-उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो विनोद श्रीवास्तव ने बताया, दीपोत्सव में आकस्मिक पर्यटक आते हैं। उनकी टीम पिछले एक सप्ताह से अयोध्या में रहकर अर्थव्यवस्था पर सर्वे कर रही है। अध्ययन के मुताबिक पिछले 16 अक्तूबर से 22 अक्तूबर के बीच अयोध्या में रोजाना सवा लाख से ड़ेढ लाख श्रद्धालु पहुंचे हैं।

जिले के अधिकांश क्षेत्रों में टमाटर उत्पादन संतोषजनक

जशपुरनगर। उद्यान विभाग के सहायक संचालक से प्राप्त जानकारी के अनुसार जशपुर जिले में अन्य जिले की अपेक्षा अधिक वर्षा लम्बे अवधि में होने से जिले में लगे टमाटर फसल को आंशिक रूप से 10-15 प्रतिशत नुकसान हुआ है अधिक वर्षा के कारण टमाटर फसल में बैक्टीरियल ब्लाइट नामक रोग लगने से फलों में 10-15 प्रतिशत काले धब्बे बने है। उक्त रोग के रोकथाम हेतु कृषकों को फफूंद नाशक दवाई स्ट्रेप्टोमाईसिन, कायेंडाजिम एवं मेनकोजेब का स्प्रे करने हेतु सलाह दी गई है। अब जो नये फल लगेंगे उनमें इस प्रकार की समस्या नहीं होगी।

जशपुर जिले में टमाटर की गुणवत्ता एवं आपूर्ति सामान्य है, टमाटर का विक्रय स्थानीय बाजार के साथ-साथ बाहर के मंडियों में भी विक्रय किया जा रहा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जशपुर जिले में उत्पादित टमाटर अन्य राज्य यथा पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखण्ड एवं उड़िसा भेजा जा रहा है। जिले में बाहरी टमाटर की निर्भरता नहीं के बराबर है साथ ही जिले के सब्जी व्यपारियों द्वारा प्रत्येक वर्ष जिस राज्य में टमाटर सस्ते दरों पर मिलती है (बैंगलोर आदि) वहां से मंगाकर अन्य राज्यों में जहां मांग ज्यादा रहती है की पूर्ति भी किया जाता है। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिले में उत्पादित टमाटर स्थानीय बाजार में आवक 15 सितम्बर से आना प्रारम्भ हो गया है।

पुलिया निर्माण चढ़ गया भ्रष्टाचार का भेंट

छ.ग.फ्रंटलाइन

सोनहत। विकास खंड मुख्यालय से महज पांच किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत मेन्डा में दो नग आर सी सी पुलिया का निर्माण ग्राम पंचायत के द्वारा किया जा रहा है जो कि बरहवा ढांड से नर ई ढांड तक पहुंच मार्ग में घटिया पुलिया निर्माण जोरों पर जारी है दुसरी पुलिया नींव भराई काम चालू है जो कि आठ एम एम का दुर दुर छड़ लगाकर सम्बंधित इंजिनियर एवं सचिव मिलकर पुलिया निर्माण के भ्रष्टाचार में सहयोग प्रदान कर रहे हैं वहीं इन्जिनियर अराधना गिरी से दुरभाष पर संपर्क करने से कहा गया कि निर्माण ठीक हो रही है जैसा होना चाहिए आपको जहां शिकायत करना है वहां कर दो मेरा कुछ नहीं होने वाला है सचिव बृज राजवाड़े से संपर्क करने का कोशिश किया गया लेकिन फ़ोन रिसीव नहीं करते हैं ग्राम वासियों से संपर्क किया गया जिसमें सभी उपस्थित ग्राम वासियों ने कहा कि मानक के हिसाब से न तो छड़ लग रहा है न तो सीमेंट भी घटिया किस्म का लगाया जा रहा है जो सीमेंट तिरपन ग्रेड का लगना है वहीं लग रहा है तिरालीस ग्रेड वाला सीमेंट का खुलेआम उपयोग कर रहे हैं जो कुछ दिनों में टुटकर पुलिया गिर जायेगा पलिया निर्माण की गुणवत्ता में मजबूती टिकाऊपन और लचीलापन शामिल हैं जो कंक्रीट और स्टील को मिलाकर प्राप्त होते हैं आर सी सी पुलिया भारी भार सहने में सक्षम होती है क्योंकि कंक्रीट संपीड़न बलों का और स्टील तन्य बलों का प्रतिरोध करता है यह लंबे समय तक चलती हैं मौसम आग और जंग प्रतिरोधी होती है आर सी सी का उपयोग विभिन्न आकारों की पुलिया निर्माण के लिए किया जा सकता है उच्च गुणवत्ता वाले कंक्रीट और सृढ्ढीकरण बार का उपयोग किया जाना चाहिए पुलिया की सुरक्षा और टिकाऊपन सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन मानकों और दिशानिर्देश का पालन करना आवश्यक है कंक्रीट के मिश्रण की सही स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए इन्जिनियर द्वारा परीक्षण किऐ जाने चाहिये और यह सुनिश्चित करने के लिए कि मिश्रण की उचित गाढ़ा पन हो और स्थापना के दौरान तापमान का प्रबंधन करना गुणवत्ता नियंत्रण आवश्यक है ग्रामीणों ने आर सी सी मार्ग निर्माण गुणवत्ताविहीन सामाग्री का प्रयोग किया जा रहा है जो कि पुलिया टिकाऊपन नहीं है सम्बंधित इन्जिनियर एवं सचिव को हम लोग के द्वारा क ई बार बोला गया है लेकिन उनको कोई असर नहीं हो रहा है समय रहते प्रशासन अगर इस ओर ध्यान नहीं दिया तो दोनों पुलिया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते नजर आ रही है वहीं पर जनपद उपाध्यक्ष संदीप जायसवाल का कहना है कि जन हितकारी योजनाऐ से कोई समझौता नहीं की जायेगी इस संबंध में अराधना गिरी उप अंभीयता सोनहत ने बताया कि आपको जहां शिकायत करना है वहां कर दीजिये अभी में बिजी हुं होता होगा जो हो रहा है सही हो रहा है।

विधायक निधि से झगड़ाखांड नगर पंचायत को मिलेगी 2 शव मरच्युरी

स्वास्थ्य मंत्री ने नगरपंचायत नेताप्रतिपक्ष को दिया आश्वासन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। विधायक निधि से झगराखांड नगर पंचायत को 2 शव मरच्युरी मिलेगी। नगरपंचायत के नेताप्रतिपक्ष की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मरचुरी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। इससे झगरखांड की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। नगरपंचायत झगड़ाखांड के नेता प्रतिपक्ष देवनारायण सिंह की अगुवाई में पार्षदों ने स्वास्थ्य मंत्री मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को ज्ञापन सौंपकर मरचुरी की मांग की है। नगर पंचायत के नागरिकों की एक पुरानी और मानवीय ज़रूरत अब पूरी होने की उम्मीद है। नगरपंचायत झगड़ाखांड के नेता प्रतिपक्ष देवनारायण सिंह ने पार्षद रविरंजन शर्मा, शिव कुमार, पूजा कोल, विनोद श्रीवास और अन्य पार्षदों के साथ मिलकर मरचुरी की मांग को लेकर मनेंद्रगढ़ विधायक व छत्तीसगढ़ शासन में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को एक संयुक्त ज्ञापन सौंपा है। इस

ज्ञापन में उन्होंने विधायक निधि से नगर पंचायत को दो नई शव मरचुरी मशीन दिए जाने की मांग की है जिसे गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्काल सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह पहल उन परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर को सुरक्षित रखने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था।

झगराखांड नगर पंचायत में शव मरचुरी की अनुपलब्धता लंबे समय से एक गंभीर समस्या बनी हुई थी। विशेष रूप से, जब किसी व्यक्ति का निधन होता है और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए परिवार के सदस्य दूर-दराज से आते हैं, तो पार्थिव शरीर को सुरक्षित रखना एक चुनौती बन जाता था, जिससे अंतिम दर्शन और विधि-विधान में बाधा आती थी। इस मानवीय समस्या को देखते हुए नगरपंचायत झगड़ाखांड के नेता प्रतिपक्ष देवनारायण सिंह ने पार्षद पूजा कोल, पार्षद शिव कुमार, पार्षद विनोद श्रीवास, रविरंजन शर्मा सहित अन्य पार्षदों के साथ मिलकर एक विस्तृत मांग पत्र तैयार किया। मांग पत्र को उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को सौंपकर अनुरोध किया कि वे अपनी विधायक निधि का उपयोग करते हुए शीघ्र ही दो शव मरचुरी मशीन नगर पंचायत को उपलब्ध कराएँ।

नेता प्रतिपक्ष देवनारायण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हमने मंत्री जी को स्पष्ट किया कि यह केवल एक मशीन की मांग नहीं, बल्कि अंतिम संस्कार की गरिमा बनाए रखने और परिजनों को अपने दिवंगत प्रियजनों को सम्मानपूर्वक विदाई देने का अधिकार सुनिश्चित करने का विषय है। हमें खुशी है कि मंत्री जी ने इस मांग की गंभीरता को समझा है और जल्द ही यह सुविधा नगर पंचायत को मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि जल्द ही विधायक निधि से यह राशि जारी कर दी जाएगी, ताकि झगरखांड के लोगों को यह मूलभूत और आवश्यक सुविधा मिल सके।

कपड़ा व्यापारी नजाकत अली का चिरमिरी में ऐतिहासिक स्वागत

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ (एमसीबी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए कायराना आतंकी हमले की भयावहता अभी लोगों के ज़हन से मिटी नहीं है, लेकिन उस खौफ के बीच साहस की जो रौशनी बनकर उभरे जम्बू के कपड़ा व्यापारी नजाकत अली का छत्तीसगढ़ के चिरमिरी में पहुंचने पर ऐतिहासिक स्वागत हुआ। गर्म कपड़ों के कारोबारी नजाकत अली, जो साल में तीन माह चिरमिरी को अपना कर्मक्षेत्र बनाते हैं, उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए एमसीबी जिले के चिरमिरी के पर्यटकों की जान बचाई थी। जब वह चिरमिरी की पावन धरा पर पहुँचे तो कृतज्ञता और सम्मान का सैलाब उमड़ पड़ा। यह केवल एक व्यापारी का स्वागत नहीं, बल्कि साहस, इंसानियत और चिरमिरी के प्रति उनके अटूट समर्पण को दिया गया सम्मान है, जिसने यह साबित

कर दिया कि असली रिश्ते खून के नहीं, बल्कि वक्त पर निभाए गए साथ के होते हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में दहशत का माहौल था। उसी दौरान, चिरमिरी से गए कई सैलानी भी इस हमले में फँस गए थे। ठीक उसी वक्त, गर्म कपड़ों के कारोबारी नजाकत अली ने साहस दिखाया। चिरमिरी के साथ अपने तीन महीने के व्यापारिक और भावनात्मक रिश्ते को निभाते हुए उन्होंने जान हथेली पर रखकर पर्यटकों को आतंकियों की गोलियों से बचाया। जब वह अपने व्यापार के प्रयोजन से चिरमिरी पहुंचे तो बचाए गए पर्यटकों ने उनकी अगुवाई की और शहर ने उनका भव्य अभिनंदन किया। इस मौके पर नजाकत अली ने संक्षिप्त में बताया कि कैसे उन्होंने अपने चिरमिरी वाले ग्राहकों को सुरक्षित निकालने की योजना बनाई, जब वे आतंकवादी हमले के शिकार हुए थे। उन्होंने कहा कि उस समय सिर्फ़ लोगों की जान बचाना ही उनका एकमात्र लक्ष्य था। इस घटना के बाद, भारतीय सुरक्षा बलों ने निर्णायक कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर चलाया जिसके माध्यम से आतंकी ठिकानों को खत्म कर दिया गया और आतंक के मंसूबों को नाकाम किया गया। नजाकत अली के इस आगमन को लेकर चिरमिरी में कई जगहों पर उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ, जहाँ नागरिकों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। कपड़ा व्यापारी नजाकत अली ने कहा कि चिरमिरी मेरे लिए घर जैसा है। उस वक्त मुझे बस अपने लोगों को बचाना था। मुझे आज ये सम्मान मिल रहा है, ये मेरे लिए सबसे बड़ी दौलत है। पर्यटक लक्की पराशर ने कहा कि वह हमारे लिए मौत के मुँह से खींचकर लाने वाले फ़रिश्ते हैं। नजाकत भाई ने जो किया, उसे हम ज़िंदगी भर नहीं भूलेंगे। उनके सम्मान में पूरा शहर उमड़ा है। पर्यटक अरविंद अग्रवाल ने कहा कि आज नजाकत अली का स्वागत करके चिरमिरी ने मानवता को सलाम किया है। उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की। यह सम्मान उन्हें इसलिए मिल रहा है क्योंकि उन्होंने इंसानियत को जिंदा रखा।

प्री मैट्रिक बालक छात्रावास और एमएलबी कन्या विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के स्टेट प्लॉन ऑफ एक्शन वर्ष 2025-26 के अनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर सत्येन्द्र कुमार साहू के निर्देशन में प्री. मैट्रिक बालक छात्रावास जशपुर एवं एमएलबी कन्या विद्यालय जशपुर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम व शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जशपुर श्रीमती सुमन सिंह द्वारा शिक्षा का अधिकार, संवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य, नशा मुक्ति, बाल श्रम निषेध, मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के संबंध में कानूनी जानकारी, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, समझौते के माध्यम से प्रकरण निराकरण हेतु नेशनल लोक अदालत, मध्यस्थता तथा निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर कु. प्रज्ञा सिंह द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत विधिक सहायता व सलाह हेतु पात्रता, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कु. चेताली खाण्डेकर, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश जशपुर, कु. पूनम, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर न्यायालय के द्वितीय अतिरिक्त न्यायाधीश जशपुर, कु. नेहा तिर्की, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी जशपुर न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश जशपुर, कु. चेताली कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जशपुर के पैरालीगल वालेंटियर श्री निरंतर कुजूर श्रीमती आशामती भगत सहित कुल 180 लाभार्थी उपस्थित रहे।

कंदरई में मवेशी तस्करी का पर्दाफाश, भागते वक्त नाली में फंसी पिकअप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कंदरई के बासेनपारा में बुधवार की मध्यरात्रि उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने संदिग्ध रूप से जा रही एक पिकअप वाहन को रोकने की कोशिश की। मवेशियों से ठसाठस भरी उस पिकअप वाहन के चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन अफरातफरी के बीच वाहन नाली में जा फंसी, जिससे दो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गई हैं। गौरतलब है कि पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 01 जीई 1880 का चालक करीब दर्जनभर गायों को ठूंस-ठूंसकर भरकर तस्करी कर रहा था। ग्रामीणों ने जब वाहन को रोकने की कोशिश की, तो चालक व उसके साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। वाहन में गायों को जिस अमानवीय तरीके से भरा गया था, उसे देखकर ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बताया जा रहा है कि बासेनपारा के ग्रामीणों को देर रात पिकअप की गतिविधियों पर

शक हुआ। जब उन्होंने घेराबंदी कर रोकने की कोशिश की, तो चालक ने तेजी से गाड़ी मोड़ने की कोशिश की, लेकिन अंधेरे और जल्दबाजी के कारण वाहन नाली में उलझकर फंस गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही जयनगर थाना प्रभारी टीआई रूपेश कुंतल एक्का के निर्देशन में सहायक उपनिरीक्षक केश्वर मरावी, आरक्षक रवि पांडेय व सुरेश साहू मौके पर पहुंचे। पुलिस दल ने दो मृत गायों का पोस्टमार्टम कराकर उनका अंतिम संस्कार कराया, वहीं तीन से चार घायल गायों का उपचार कराकर उन्हें कान्हा गौशाला जमदेई में सुरक्षित रखवाया गया है। बताया जा रहा है कि घटना की अफरातफरी के बीच कुछ गायें अंधेरे में जंगल की ओर भाग गई हैं। नाली में फंसे पिकअप वाहन को भी काफी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों का कहना है कि कंदरई क्षेत्र से कई बार मवेशी तस्करी की घटनाएं सामने आई हैं, और यह कोई एकलौता मामला नहीं है। ग्रामीणों ने अंदेशा जताया है कि कोई संगठित गिरोह सक्रिय है जो झारखंड में गायों को ले जाने की तस्करी कर रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि फरार वाहन चालक व उसके साथियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और गौ तस्करी पर नकेल कसने के लिए विशेष निगरानी दल बनाया जाए। जयनगर पुलिस द्वारा मामले में पिकअप वाहन को जब्त कर लिया गया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

कार्यालय सहायक पद के लिए दावा आपत्ति 31 तक

कोण्डागांव, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) हेतु सृजित कार्यालय सहायक 1 पद हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदनों के स्क्रुटनी एवं परीक्षण पश्चात पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची कोण्डागांव जिले के बेबसाईट पर अवलोकन हेतु अपलोड किया गया है।

दावा आपत्ति हेतु अभ्यर्थी अपना आवेदन 31 अक्टूबर 2025 शाम 05:30 बजे तक लिखित में कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग कक्ष कमांक 118 कलेक्ट्रेट परिसर, कोण्डागांव जिला-कोण्डागांव में स्वंय उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ती प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्य माध्यम से प्राप्त अथवा समय-सीमा के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

कोरेया में दो माह का अनाज हड़प गया दुकान संचालक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कोरेया में शासकीय उचित मूल्य दुकान से राशन घोटाला का आरोप ग्रामीणों द्वारा लगाते हुए मामले की शिकायत कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े व प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के अलावा कलेक्टर जनदर्शन में की गई है। गांव के करीब सौ हितग्राहियों को दो महीने से चावल नहीं मिला है। ग्रामीणों का आरोप है कि दुकान संचालक लाल साय राजवाड़े ने शासन की महत्वाकांक्षी चावल उत्सव योजना के तहत जून, जुलाई और अगस्त माह का राशन बांटने के नाम पर अनाज का गबन कर लिया है। ग्रामीणों ने बताया कि वे हर महीने शासन से मिलने वाले राशन पर ही निर्भर रहते हैं। लेकिन पिछले दिनों तीन महीने के राशन में दुकान संचालक ने केवल एक माह का ही चावल बांटा और बाकी दो माह का नाम पर टिक्का लगाकर अपने घर बैठ गया। हितग्राहियों ने बताया कि उन्होंने इस गड़बड़ी की शिकायत कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी और कलेक्टर सूरजपुर को जनदर्शन में लिखित रूप से

दी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि कई हफ्ते बीत जाने के बाद भी प्रशासन ने जांच तक शुरू नहीं की है। ग्रामीणों का कहना है कि जब बड़े नेताओं और अफसरों तक पहुंचने के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही, तो आम आदमी कहां जाए। शासन की योजना गरीबों तक राहत पहुंचाने के लिए बनी थी, लेकिन भ्रष्ट तंत्र ने इसे कमाई का जरिया बना दिया है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब हर माह राशन वितरण की ऑनलाइन मॉनिटरिंग होती है, तो फिर यह धांधली महीनों तक छिपी कैसे रही।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन करने विवश होंगे।ग्रामीणों की मांग है कि शासन प्रशासन तत्काल इस मामले की जांच कर दोषी दुकान संचालक को निलंबित कर सभी हितग्राहियों को बकाया राशन तुरंत उपलब्ध कराए।

किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दंतेवाड़ा, छ.ग. फ्रंटलाइन। विगत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, दंतेवाड़ा में किलकारी एवं मोबाइल एकेडमी कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन श्री पंकज बर्मन (प्रोग्राम ऑफिसर, बस्तर संभाग) द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान आगामी एक वर्ष के लिए जिला एक्शन प्लान तैयार किया गया। इस अवसर पर आरसीएच नोडल अधिकारी, जिला डाटा मैनेजर, डीपीएचएनओ, बीईटीओ, ब्लॉक डेटा मैनेजर, ब्लॉक मितानिन समन्वयक तथा परिवार नियोजन परामर्शदाता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में डॉ प्रियंका सक्सेना जिला नोडल अधिकारी एवं मैटरनल हेल्थ के द्वारा शिशु मृत्यु दर एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने हेतु आवश्यक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

ग्राम आमगांव में विकासखंड स्तरीय पशु मेला सह प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

कोण्डागांव, छ.ग. फ्रंटलाइन। पशुधन विकास विभाग उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें जिला कोंडागांव के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष 2025 के अवसर पर 17 अक्टूबर 2025 को ग्राम आमगांव में विकासखंड स्तरीय पशु मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें पशु प्रदर्शनी के सात विभिन्न वर्गों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी के द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को देते हुए अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जनपद पंचायत फरसगांव अध्यक्ष मानकू राम नेताम, उपाध्यक्ष जद्दू राम नाग, जनपद कृषि स्थायी समिति के सभापति लीलावती नेताम, जनपद सदस्य बुधयारीन दुग्गा, जनपद सदस्य विजय मरकाम एवं हेमचंद देवांगन, सिदराय सलाम की गरिमामयी उपस्थिती में कार्यक्रम संपन्न हुआ। पशु प्रदर्शनी दुधारू गाय की श्रेणी में हेमचंद कुंवर को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी प्रकार बकरा, बकरी की श्रेणी में सुघनतिन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी उपसंचालक डॉ. एम बी सिंग, डॉ सुरेन्द्र कुमार नाग वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी डॉ सुमन उइके, डॉ प्रियंका ठाकुर, डॉ अनिल कटरावत, डी पी साहू, महेश नाग, दीपेश बिस्वास, सी के कौशिक, चन्दन नाइक, अशोक तिवारी, मनोज नेताम तथा बड़ी संख्या में पशु पालक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने गारमेंट फैक्ट्री का किया निरीक्षण

कोंडागांव, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने शुक्रवार को डोंगरीगुड़ा स्थित गारमेंट फैक्ट्री का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फैक्ट्री में कार्यरत महिलाओं से मुलाकात कर कार्यों के बारे में जानकारी ली और उनकी समस्याओं से भी अवगत हुए।

महिलाओं ने कलेक्टर के समक्ष खाना खाने के लिए उचित स्थान की कमी, कार्यस्थल में अत्यधिक गर्मी तथा दूरदराज से आने वाली महिलाओं को घर लौटने में हो रही देरी जैसी समस्याएँ रखीं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर पन्ना ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन को भी श्रमिकों की सुविधा और कल्याण से संबंधित व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अंत में कलेक्टर ने सभी महिला कर्मियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उन्हें उपहार भी भेंट की।

भीड़ का फायदा उठाकर ज्वेलरी शॉप से ढाई लाख रुपये के सोने के दो हार उठा ले गई महिला

रायपुर। एजेंसी। रायपुर से लगे आरंग थाना क्षेत्र में धनतेरस के दिन ज्वेलरी शॉप में चोरी हो गई। यहां एक महिला ने बेहद चालाकी और सधी हुई योजना के तहत दुकान के स्टाफ को बातों में उलझाकर करीब ढाई लाख रुपए कीमत के दो सोने के हार पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी महिला की तलाश शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 18 अक्टूबर की है, जब धनतेरस के दिन खरीदारी को लेकर ज्वेलरी दुकानों में भारी भीड़ थी। इसी दौरान एक महिला और एक युवक आरंग के मुख्य बाजार स्थित नवकार ज्वेलर्स पहुंचे। दोनों ने दुकान में पहुंचकर गहने देखने की बात कही। मौके पर मौजूद स्टाफ ग्राहकों की भीड़ में व्यस्त था, तभी महिला ने बड़ी चतुराई से स्टाफ का ध्यान भटकाया।

पुलिस के अनुसार, महिला ने गहनों के डिब्बे से करीब 23 ग्राम के दो सोने के हार निकालकर अपने साथी युवक को थमा दिए और मौके से

चुपचाप निकल गई। दोनों हारों की कुल कीमत करीब ढाई लाख रुपए बताई जा रही है। दिनभर की भीड़भाड़ और ग्राहकों की आवाजाही के चलते किसी को चोरी की भनक तक नहीं लगी।

रात करीब 9 बजे जब दुकान का स्टॉक मिलान किया गया, तब दो हार कम पाए गए। शक होने पर दुकान मालिक ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो उसमें एक महिला को हार चोरी करते हुए स्पष्ट देखा गया। इसके बाद घटना की पूरी जानकारी आरंग थाना को दी गई।

सूचना पर आरंग पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर फुटेज अपने कब्जे में लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला और उसके साथी युवक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। आसपास के इलाकों की दुकानों और बाजारों में भी पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक महिला गहने चोरी करते हुए दिख रही है। उसकी पहचान की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

आईपीएस अधिकारी पर एसआई की पत्नी ने लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप, अधिकारी बोले- महिला कर रही ब्लैकमेल

रायपुर। एजेंसी। छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के आईपीएस अफसर और वर्तमान में आईजी रैंक पर पदस्थ अधिकारी रतनलाल डांगी पर एक सब-इंस्पेक्टर की पत्नी ने यौन उत्पीड़न और शारीरिक शोषण का गंभीर आरोप लगाया है। महिला का दावा है कि अधिकारी बीते सात सालों से उसका शारीरिक और मानसिक शोषण करते आ रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

बिलासपुर में पदस्थ एक सब-इंस्पेक्टर की पत्नी ने आला अधिकारियों को दिए पत्र में आरोप लगाया कि आईजी रतनलाल डांगी ने सात वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण किया। महिला ने कहा कि जब उसने अधिकारी से दूरी बनाने की कोशिश की, तो उस पर धमकियों और दबाव के जरिए संबंध बनाए रखने को मजबूर किया गया।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब वह सरगुजा में आईजी थे, तभी उत्पीड़न की शुरुआत हुई और बिलासपुर आईजी बनने के बाद यह सिलसिला और बढ़ गया। महिला का कहना है कि अधिकारी अपनी पत्नी की अनुपस्थिति में उसे बंगले पर बुलाते थे और आपत्तिजनक हरकतें करते थे।

चंदखुरी पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में तबादला होने के बाद भी उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए परेशान करना जारी रखा।

महिला का आरोप है कि अधिकारी सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक कई बार वीडियो कॉल पर नजर रखने का दबाव डालते थे। शिकायत में लिखा है कि वह अब तक चुप रही क्योंकि उसके पति की नौकरी खतरे में पड़ सकती थी। आरोप है कि आईपीएस अधिकारी अक्सर उसे धमकी देते थे कि 'अगर तुमने विरोध किया तो तुम्हारे पति को नक्सल क्षेत्र में तबादला कर दूंगा।'

इधर, आईपीएस ने डीजीपी अरुणदेव गौतम को लिखित शिकायत देकर खुद पर लगे आरोपों को झूठा और साजिशन बताया है। उन्होंने कहा कि सब-इंस्पेक्टर की पत्नी पिछले कई वर्षों से उन्हें ब्लैकमेल कर रही है और उनके परिवार को मानसिक प्रताड़ना दे रही है।

अधिकारी ने डीजीपी को सौंपे पत्र में लिखा है कि महिला ने उनके वाशरूम और निजी पलों के वीडियो बनाकर उन्हें धमकाना शुरू किया।

- महिला जहर की शीशी लेकर कार्यालय आई और मुझे अपनी पत्नी से संबंध न रखने की कसम खिलवाई। उसने कई शर्तें रखीं, पत्नी से बात नहीं करना, तस्वीर नहीं खिंचवाना, जन्मदिन या सालगिरह नहीं मनाना।
- उसने कहा कि मैं रात में बालकनी में सोऊं और आठ घंटे तक लाइव लोकेशन और वीडियो कॉल चालू रखूं ताकि उसे भरोसा रहे कि मेरे साथ कोई नहीं है।
- स्नान, व्यायाम और वॉशरूम जाते समय भी वीडियो कॉल चालू रखने की शर्त लगाई गई थी।
- उसने वाशरूम में फोटो लिए और दिखाकर धमकाया कि अगर मैं उसकी बात नहीं मानूंगा तो ये तस्वीरें वायरल कर देगी।
- विरोध करने पर उसने ब्लेड से खुद का हाथ काटा और आत्महत्या का नाटक किया ताकि मैं डर जाऊं।
- दावा किया कि उसने मेरी सिफारिश से जिन लोगों की मदद की, उनसे रुपये वसूले और अब वह कहती है कि मैं झूठे रिकार्ड में फंसा दिया जाऊंगा।
- कई मौकों पर वह जहर की शीशी लेकर कार्यालय आती और कहती कि अगर उसकी बात नहीं मानी तो यहीं आत्महत्या कर मुझे फंसा देगी।
- उसने मेरी पत्नी और बेटों से मुझे अलग कर दिया। मैं पिछले दो वर्षों से अपने घर में मानसिक अवसाद में जी रहा हूं।
- करवा चौथ के दिन उसने धमकी दी कि अगर मैं पत्नी के साथ पूजा में शामिल हुआ तो वह आत्महत्या कर लेगी।
- महिला मेरे घर में जबरन घुसी, स्टाफ को अश्लील तस्वीरें दिखाईं और हंगामा किया।

पुलिस महकमे में सामने आए हाई प्रोफाइल सेक्स आरोप और ब्लैकमेलिंग की शिकायतों को छत्तीसगढ़ सरकार ने गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। राज्य सरकार ने 2001 बैच के आईपीएस डॉ. आनंद छाबड़ा की अध्यक्षता में दो सदस्यीय जांच समिति गठित की है।

समिति में महिला आईपीएस अधिकारी मिलना कुर्रे को भी शामिल किया गया है। बताया गया है कि आईजी आनंद छाबड़ा ने शिकायतों की बिंदुवार जांच प्रारंभ कर दी है। रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार आगे की कार्रवाई तय करेगी। मामले पर पुलिस मुख्यालय भी सतर्क निगरानी रखे हुए है।

राम्प योजना के अंतर्गत कोण्डागांव में उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन

कोंडागांव, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा 'उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (स्र्स्स्ध्) से जुड़े दर्जनों उद्यमियों, बिहान महिला उद्यमियों, पीएमएफएमई, पीएमईजीपी योजना तथा स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक का उद्देश्य जिले में स्र्स्स्ध् सेक्टर को प्रोत्साहित करना, औद्योगिक नीतियों की जानकारी देना एवं बैंकिंग प्रक्रियाओं से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करना था। इस दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की प्रभारी महाप्रबंधक कुसुमलता नेताम ने उपस्थित हितग्राहियों को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, क्र्स्क्क योजना तथा नवीन औद्योगिक विकास नीति 2024ङ्क25 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अब छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कई सरल और पारदर्शी प्रक्रियाएँ लागू की गई हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वरोजगार के नए अवसर बन रहे हैं।

कार्यक्रम में जिले के प्रमुख बैंकों भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक सहित अन्य बैंकों के अधिकारियों ने भाग लेकर उपस्थित उद्यमियों को विभिन्न वित्तीय योजनाओं, ऋण सुविधाओं, मुद्रा योजना और ष्टत्रञ्जस्र्स्श्व के लाभों की जानकारी दी।

बैठक के दौरान बैंकर्स एवं हितग्राहियों के बीच सीधा संवाद हुआ, हितग्राही और बैंकों के अधिकारियों का अलग-अलग समूह बनाकर ऋण स्वीकृति प्रक्रिया, दस्तावेज़ीकरण एवं अन्य औपचारिकताओं से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की गई। बैंक अधिकारियों ने उद्यमियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया तथा मौके पर ही कई ऋण प्रस्तावों पर कार्यवाही भी प्रारंभ की गई।

डीजीपी और आईजीपी के राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की तैयारियां शुरू

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 28 से 30 नवंबर तक तीन दिवसीय डी.जी.पी. और आई.जी.पी. का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) और पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.पी.) शामिल होंगे। सम्मेलन का आयोजन आई.आई.एम., नवा रायपुर में किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महादनी भवन) में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को सम्मेलन की सभी तैयारियों को समय पर पूर्ण करने और उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बताया कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आयोजन की सुचारु व्यवस्था के लिए विभिन्न नोडल अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव ने सम्मेलन स्थल पर आने वाले डेलीगेट्स के आवागमन, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा एवं आवास व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने रायपुर के सर्किट हाउस, प्रशासन अकादमी और अन्य स्थानों पर अतिथियों के लिए उच्च स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, प्रमुख पुलिस अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, एन.आर.डी.ए., संस्कृति विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन में टला बड़ा हादसा

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन में आज एक बड़ी दुर्घटना होते होते टली. चलती ट्रेन पर चढ़ने के दौरान एक यात्री का पैर फिसल गया और उसके शरीर का नीचला हिस्सा ट्रेन प्लेटफॉर्म के नीचे जा चुका था. लेकिन इसी दौरान वहां से गुजर रहे आरपीएफ, एएसआई ने सतर्कता और तत्परता दिखाते हुए उसे खींचकर बाहर निकाल लिया, जिससे यात्री की जान बच सकी। जानकारी के मुताबिक, गाड़ी संख्या 09059 उधना-खुरदा रोड स्पेशल गुरुवार को दुर्ग स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 पर शाम 6:52 बजे पहुंची और 7:05 बजे रवाना हो रही थी. इसी दौरान एक यात्री ट्रेन में चढ़ते समय फिसलकर गिरने लगा, जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती थी. मौके पर मौजूद सहायक उप निरीक्षक संजय गांगुली ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए यात्री को पकड़कर खींच लिया और उसकी जान बचा ली. इसके बाद गार्ड द्वारा ट्रेन रोके जाने पर यात्री को सुरक्षित रूप से एसी कोच में बैठाया गया। एएसआई संजय गांगुली के इस साहसिक और उत्कृष्ट कार्य की सभी ने सराहना की है. उन्होंने मुस्तैदी और मानवता का परिचय देते हुए एक बड़ा हादसा होने से टाल दिया. इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है ।

अब प्लेटफार्म 7 से रवाना होंगी साउथ बिहार समेत तीन गाड़ियां

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों पर रायपुर स्टेशन में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में प्लेटफार्म नंबर 5 की चौड़ाई कम होने के कारण रेलवे प्रशासन ने भीड़ बढ़ने की स्थिति में तीन एक्सप्रेस ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर 5 के स्थान पर 7 नंबर से चलने का निर्णय लिया है। यात्रियों से अनुरोध है कि वह सीधे प्लेटफार्म नंबर 7 पर पहुंचे इसके लिए वह स्टेशन के गुढ़ियारी और के प्रवेश द्वार से सीधे प्लेटफार्म नंबर 7 पर आ सकते हैं। यात्रियों को बल्क मैसेज द्वारा उनके फोन नंबर पर भेजा गया है। लगातार रायपुर स्टेशन पर उद्घोषणा के माध्यम से भी यात्रियों को अवगत कराया जा रहा है ।साथ ही कुलियों, सफाई कर्मियों ऑटो संचालकों को भी

इस हेतु जागरूक किया गया है कि वह सीधे इन यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर 7 पर पहुंचाएं। दुर्ग-पटना साउथ बिहार एक्सप्रेस और दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस 22 से 27 अक्टूबर एवं गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस 23 अक्टूबर से प्लेटफार्म 07 से रवाना होगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की । उप मुख्यमंत्री श्री कश्यप तथा वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्योत्सव की तैयारियों में जुटे अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन में किसी भी तरह की कोताही न बरतते हुए पूरी क्षमता और योग्यता से समय पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाना है। इसके लिए तैयारियों में कोई कोर-कसर न छोड़ें। प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान सभी कार्यक्रमों के भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए तेजी से कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाओं को मूर्त रूप दें। उप मुख्यमंत्री श्री साव तथा मंत्रीद्वय केदार कश्यप और ओ.पी. चौधरी ने राज्योत्सव के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम स्थल पर सेक्टर्स की स्थिति, बैठक क्षमता, परिक्रमा पथ के लोकेशन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था व पेयजल व्यवस्था के साथ ही वीवीआईपी सेक्टर की क्षमता, सुव्यवस्थित पहुंच मार्ग तथा सभी कार्यक्रमों के व्यवस्थित आयोजन की रुपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री साय से पंजाब के मंत्रियों ने की मुलाकात

गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के लिए दिया आमंत्रण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।मुख्यमंत्री साय से गुरुवार को उनके निवास कार्यालय में पंजाब सरकार के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुण्डियन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने मुख्यमंत्री साय को 9वें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान, त्याग और मानवता के प्रति उनके संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।इस आयोजन में देशभर से श्रद्धालुओं, संत महात्माओं और विभिन्न राज्यों के गणमान्य नागरिकों के सम्मिलित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री साय ने पंजाब सरकार के मंत्रियों द्वारा दिए गए आमंत्रण के लिए हार्दिक धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपने जीवन में धर्म, मानवता और समानता के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने किया गजमार पहाड़ के सौंदर्यीकरण का निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ के गजमार पहाड़ स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में जारी सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कलेक्टर रायगढ एवं डीएफओ रायगढ़ उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शासन की योजनाओं का केवल निर्माण तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण

क्रियान्वयन ही असली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनसामान्य को वास्तविक लाभ पहुंचाना है और इसके लिए योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने कहा कि हनुमान मंदिर परिसर में हो रहे सौंदर्यीकरण कार्यों से न केवल धार्मिक पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है। ऐसा स्थल शहर के बीच इतनी ऊँचाई और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ बहुत कम जगहों पर देखने को मिलता है। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी की पहल पर रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक और आस्था का केंद्र गजमार पहाड़ी स्थित हनुमान धाम अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगा। बीते दिवस वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 08 करोड़ रुपए की लागत से यहां होने वाले विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया था। गजमार पहाड़ी मंदिर विकास योजना की जानकारी देते हुए डीएफओ ने कहा कि विभागीय मार्गदर्शन और सुव्यवस्थित योजना के तहत पहाड़ मंदिर को नया स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यहां श्रद्धालु एवं पर्यटक आसानी से ऊपर तक पहुंच सकें, इसके लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। जिसके तहत स्वीकृत सीढ़ियों का विकास कार्य, अवेयरनेस एक्टिविटी के लिए ओपन प्लेटफार्म का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही वाच टॉवर, चिल्ड्रन एक्टिविटी एरिया, कैन्टीन, पैगोड़ा, पब्लिक वाशरुम, वाश एरिया निर्माण, यूटिलिटी एरिया, पार्किंग एवं प्रवेश स्थल का विकास कार्य, पाथ-वे निर्माण एवं प्रवेश द्वार निर्माण कार्य हो रहा है।

भगवान महावीर की अंतिम देशणा से प्रकाशित हुआ सीमंधर जैन मंदिर

रायपुर ।सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशणा के प्रकाश स्वरूप सैकड़ों दीपक प्रज्वलित कर उजाला किया गया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने कहा कि जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अंतिम चातुर्मास पावापुरी नगरी में फरमाया ।परमात्मा ने अंतिम समय जानकर जीवों के आत्मोत्थान के लिऐ 16 प्रहर तक देशणा (उपदेश) दी ।भगवान महावीर स्वामी न अपने प्रथम शिष्य गणधर गौतम स्वामी को अंतिम समय में ब्राम्हण को प्रतिबोध देने निकट ग्राम भेज दिया ।लौटते समय गौतम स्वामी जी को ज्ञात हुआ कि वीरप्रभु का निर्वाण हो गया है ।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने छठ घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।आगामी छठ महापर्व के मद्देनजर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शंकरघाट और गोधनपुर स्थित घाटों पर चल रही तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों से घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय तथा यातायात प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार

की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूर्ण कर ली जाएँ। श्री अग्रवाल ने कहा कि छठ पूजा जन-आस्था का पवित्र पर्व है, जिसमें लाखों श्रद्धालु सूर्य उपासना के माध्यम से परिवार और समाज के कल्याण की कामना करते हैं।इसलिए सरकार की प्राथमिकता है कि इस पर्व का आयोजन स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएँ, ताकि रात्रि में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। साथ ही जलस्तर और सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी दल तैनात किए जाने को भी कहा गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि अंबिकापुर में छठ पर्व उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ सम्पन्न हो और श्रद्धालु निर्बाध रूप से पूजा-अर्चना कर सकें।

संक्षेप

करोड़ों के बजट की पानी टंकी बनी शोपीस, दीपावली पर भी सूखे रहे नारायणपुर गाँव के नल

संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र के नारायणपुर गाँव में जल शक्ति मिशन के तहत करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई पानी की टंकी ग्रामीणों के लिए अब तक केवल दिखावा बनकर रह गई है। दीपावली जैसे बड़े पर्व पर भी गाँव के घरों तक पानी नहीं पहुँचा, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।ग्रामीणों का कहना है कि टंकी बनी तो है, लेकिन पानी नहीं आता। पाइपलाइन कई जगह टूटी हुई है और जल आपूर्ति विभाग के अधिकारी सिर्फ कागजों में योजना को सफल दिखा रहे हैं। लोगों ने बताया कि दीपावली पर पानी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, लेकिन प्रशासन की लापरवाही के कारण गाँव के लोगों को निजी नलों से पानी निकालना पड़ा।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जलापूर्ति शुरू कराई जाए और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए।

हरौनी रेलवे स्टेशन के पास साईं नदी पुल के नीचे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ जनपद के बंथरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत हरौनी रेलवे स्टेशन के पास स्थित ग्राम पुरही में साईं नदी पुल के नीचे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह नदी किनारे से गुजर रहे ग्रामीणों ने पुल के नीचे शव को देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बंथरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभिक जाँच में मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।स्थानीय लोगों में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएँ बनी हुई हैं।थाना प्रभारी बंथरा ने बताया कि मृतक की शिनाख्त कराई जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

उत्तर प्रदेश में दलित की हत्या व पेशाब मामले को लेकर गरमाई राजनीति, मायावती ने की निंदा

संवाददाता

लखनऊ।उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार के मामले को लेकर सपा-बसपा सहित कई विपक्ष दलों ने सरकार को घेरा है।प्रयागराज में दलित युवक की हत्या और लखनऊ के धार्मिक स्थल में बुजुर्ग के साथ मारपीट करने और पेशाब चटवाने को लेकर राजनीति गरमा गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि लखनऊ की घटना की जांच की जा रही है। आरोपित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। बसपा प्रमुख मायावती ने राज्य में दलितों पर हो रहे अत्याचार की निंदा करते हुए सवाल उठाया है कि दलितों पर अत्याचार कब रुकेगा। उन्होंने पिछले दिनों प्रयागराज के धूमनगंज स्थित मुंडेरा चुंगी के पास दो पक्षों में हुए मामूली विवाद के बाद रावेंद्र

कुमार उर्फ मुन्नू की हत्या के मामले में सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। बसपा प्रमुख ने लखनऊ के काकोरी स्थित एक धार्मिक स्थल में दलित बुजुर्ग के साथ मारपीट और पेशाब चटवाने की घटना को लेकर आरोपित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।उन्होंने इंटरनेट मीडिया के प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि 65 वर्षीय रामपाल के साथ की गई मारपीट व अमानवीय घटना के संदर्भ में सरकार को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा है कि किसी की भूल का अर्थ यह नहीं है कि उसे अपमानजनक व अमानवीय सजा दी जाए। परिवर्तन ही परिवर्तन लाएगा। आप के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा है कि भाजपा राज में दलित होना गुनाह है। वहीं आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्र शेखर ने कहा है कि यह जाति आधारित मानसिकता का शर्मनाक प्रदर्शन है। यह अपराध नहीं, बल्कि जातिवाद की मानसिकता का नंगा प्रदर्शन है। बुधवार को बसपा व आप नेताओं ने पीड़ित परिवार के साथ मुलाकात भी की है।

रेवतापुर फायरिंग केसः घायल सोनू यादव की मौत,

6 आरोपी गिरफ्तार -8 फरार की तलाश में पुलिस

संवाददाता

पीजीआई। कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन चौकी अंतर्गत रेवतापुर गांव में सोमवार दोपहर विवाद के बाद हुई फायरिंग में घायल सोनू यादव की मंगलवार को उपचार के दौरान एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में मौत हो गई।पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमे दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य 8 की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं।

पीजीआई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके से पुलिस ने 1 लाइसेंसी रायफल, 2 फायर कारतूस खोखा और 1 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पहला पक्षः

अजय यादव निवासी रेवतापुर ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर अनुज यादव ने गाली-गलौज व रॉड से हमला किया। जब शिकायत करने परिजन गए तो दूसरे पक्ष ने छत से ईंट-पत्थर चलाए, जिसमें आठ लोग घायल हुए।

दूसरा पक्षः

विवेक यादव की तहरीर पर दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी कपिल यादव ने अपने पिता की लाइसेंसी रायफल से उसके भाई सोनू यादव को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

गिरफ्तार आरोपीः

अजय यादव उर्फ बच्चा यादव,विजय यादव ,कपिल यादव उर्फ बादल ,सचिन यादव उर्फ अनुराग ,जितेन्द्र उर्फ चन्दन यादव,अनुज यादव उर्फ विवेक

इन सभी पर हत्या, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। कई अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामले और जिला बदर की कार्रवाई हो चुकी है।

फरार आरोपीः

विनेश यादव, रामदुलारी, नीतू यादव, संजय यादव, उषा यादव, प्रीती यादव, ज्योति यादव और वर्षा यादव।

इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

सोहन लाल श्रीमाली की कार्यावधि बढ़ाए जाने पर विकास सैनी ने दी बधाई

गोमतीनगर स्थित आवास पर पहुंचे माल क्षेत्र के कार्यकर्ता

संवाददाता

लखनऊ। बुधवार को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सोहन लाल श्रीमाली की कार्यावधि बढ़ाए जाने पर विकास सैनी ने अपने साथियों संग गोमतीनगर स्थित बहुखंडी मंत्री आवास पहुंचकर उन्हें हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर विकास सैनी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोहन लाल श्रीमाली जैसे समर्पित व अनुभवी नेतृत्व को पुनः कार्य का अवसर मिलना पूरे संगठन के लिए गौरव की बात है।

कार्यक्रम के दौरान सोहन लाल श्रीमाली ने कहा कि उनकी प्राथमिकता अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने की रहेगी।उन्होंने कहा, ह्लसाथ चलने से एकता बढ़ती है, और संगठन मजबूत होता है। हमारे लिए संगठन सर्वोपरि है, लेकिन कार्यकर्ता भी पार्टी की रीढ़ हैं। सक्रिय कार्यकताओं की बदौलत ही पार्टी आगे बढ़ती है।

गौरतलब है कि सोहन लाल

श्रीमाली लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में कार्य कर चुके हैं और संघ के विभिन्न दायित्वों पर रहते हुए उन्होंने समाजसेवा और संगठन सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।इस मौके पर उपस्थित कार्यकताओं ने श्रीमाली को शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में संगठन को और मजबूती मिलने की आशा जताई।

बिजली विभाग की वर्टिकल व्यवस्था के खिलाफ आयोग में प्रस्ताव दाखिल

टोल फ्री नंबर 1912 की सेवाओं पर खड़े किए सवाल

संवाददाता

लखनऊ। केस्को (कानपुर), अलीगढ़, मेरठ, बरेली के बाद पावर कारपोरेशन द्वारा लखनऊ, नोएडा सहित कुछ अन्य शहरों में विद्युत उपभोक्ता सेवा के लिए वर्टिकल व्यवस्था लागू करने के विरोध में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग में लोक महत्व का प्रस्ताव दाखिल किया है।जिसमें कहा है कि नियामक आयोग की अनुमति के बगैर यह यह व्यवस्था लागू की गई है, जो कि विद्युत वितरण संहिता का उल्लंघन है। यह आदेश रद किया जाना चाहिए।परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने कहा है कि पावर कारपोरेशन प्रबंधन, निजीकरण के लिए वर्टिकल व्यवस्था लागू कर रहा है। वर्टिकल व्यवस्था कस्टमर केयर टोल फ्री नंबर 1912 के सहारे की जा रही है। इस व्यवस्था में ओटीपी व्यवस्था अब तक लागू नहीं की गई है ऐसे में उपभोक्ताओं का भरोसा इस पर नहीं है।

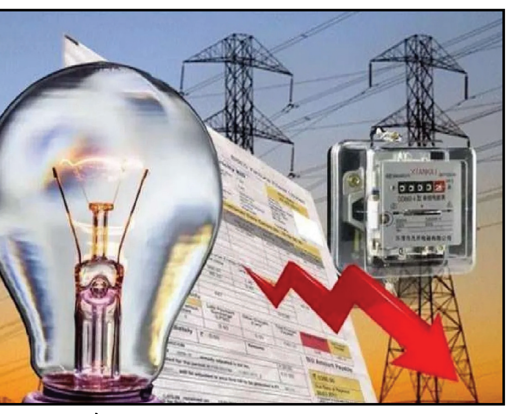

उन्होंने बताया है कि लोक महत्व प्रस्ताव के माध्यम से आयोग को अवगत कराया गया है कि यह व्यवस्था विद्युत वितरण संहिता के प्रविधानों का उल्लंघन है। आयोग को विश्वास में लिए बगैर वर्ष 1947 में बने राज्य विद्युत परिषद के स्ट्रक्चर में बदलाव किया जा रहा है। विद्युत वितरण संहिता-2005 के अनुसार यदि कोई लाइसेंसी (डिस्काम) उपभोक्ताओं के लिए कोई नई व्यवस्था लागू करता है तो इसकी जानकारी नियामक आयोग को देना अनिवार्य होता है।इस प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है।वर्मा ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डा. लक्ष्मीकांत वाजपेई को इस पूरे प्रकरण से अवगत कराया है। उनसे कहा कि वर्टिकल व्यवस्था से उपभोक्ताओं में आक्रोश है इस मामले में तत्काल सरकार से हस्तक्षेप की बात होनी चाहिए। वर्मा के मुताबिक सांसद डा. वाजपेयी ने कहा कि वह इस मामले में नियामक आयोग को पत्र लिखेंगे।

डीआरडीओ में तैनात ब्रह्मोस मिसाइल के सिस्टम इंजीनियर की मौत, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में कार्यरत ब्रह्मोस मिसाइल के सिस्टम इंजीनियर 30 वर्षीय आकाशदीप गुप्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मंगलवार को मृत्यु हो गई। उनका परिवार आलमबाग के ओम नगर में रहता है आकाशदीप भी इन दिनों छुट्टी पर घर आए हुए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आगे की जांच के लिए विसरा सुरक्षित कर लिया गया है। परिवारीजन के मुताबिक छह महीने पहले ही आकाशदीप का विवाह हुआ था। पत्नी भी दिल्ली में एक बैंक में कार्यरत हैं। आलमबाग इंस्पेक्टर एससी सरोज के मुताबिक आकाशदीप दिल्ली में तैनात थे। भाई अनुराग ने बताया कि कुछ दिन पहले वह छुट्टी लेकर घर आए थे। मंगलवार देर रात अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई।

परिवार ने उन्हें लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल स्टाफ ने सूचना पुलिस को दी। इंस्पेक्टर के मुताबिक, पोस्टमार्टम में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हुए हैं। घटना की जानकारी दिल्ली स्थित उनके कार्यालय पर भी दी गई है। आकाशदीप बीते कई वर्षों से ब्रह्मोस मिसाइल के मिशन से जुड़े थे।

सम्पादकीय

दीपावली पर फिर जहरीली हो गई एनसीआर की हवा

वही हुआ जिसका डर था। दिवाली आते ही राजधानी दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में हवा जहरीली हो गई। हालांकि दिवाली से चार दिन पहले ही एनसीआर में ग्रैप एक लागू कर दिया था। इसके बावजूद प्रदूषण है कि कम होने की बजाए बढ़ गया। हवा की गति कम होने व सर्दी के आगमन और दिवाली के पटाखों ने आम आदमी का हाल बेहाल कर दिया। दिन में ही आसमान में स्मॉग की चादर छाई नजर आई। कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर गंभीर व बेहद खराब की स्थिति में पहुंच गया है। ऐसे में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 296 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। इसमें शनिवार की तुलना में 28 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। ऐसा माना जा रहा था कि इस साल प्रदूषण का स्तर कम रहेगा। इस साल बाढ़ की वजह से आग लगने और पराली जलाने की घटनाएं पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले काफी कम थीं। इसके बावजूद दिल्ली में एक्यूआई 195 रिकॉर्ड किया गया है। पराली कम जलने के बावजूद दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के लिए भारी ट्रैफिक को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। भारी ट्रैफिक के चलते लोकल गाड़ियों से निकलने वाला धुआं दिल्ली की हवा में लगातार जहर घोल रहा है। इसके अलावा तापमान में गिरावट और हवा की धीमी रफ्तार इन धूल कणों को वातावरण में लंबे समय तक बनाए रखने में मददगार साबित हो रहा है। इसके साथ ही दीपावली पर पटाखे चलाने के चलते यह स्थिति और भी भयावह हो गई है। एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। इसके अलावा, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम में लोगों को सांस लेने में परेशानी महसूस हुई। दिवाली पर दिल्ली व आसपास के खरीददारी करने के लिए गाड़ी लेकर निकले लोगों ने भी हवा में जहर घोलने में अहम भूमिका निभाई। जिसके चलते वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। इसके चलते सांस के मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, लोगों को आंखों में जलन जैसी समस्या भी हो रही है। राजधानी की हवा में दिवाली से एक दिन पहले ही मानकों से दोगुना प्रदूषण दर्ज किया गया था। मानकों के मुताबिक हवा में पीएम-10 का स्तर 100 से कम और पीएम 2.5 का स्तर 60 से कम होने पर ही उसे स्वास्थ्यकारी माना जाता है। ऐसे में प्रदूषक तत्व पीएम 10 का स्तर 251 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जो दोगुने से अधिक है। वहीं, पीएम 2.5 का स्तर 112 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जो दोगुने के आसपास है। प्रदूषण में बढ़ोतरी के लिए मुख्यतौर पर विभिन्न स्रोतों से पैदा होने वाले प्रदूषण के कण और मौसम के कारक जिम्मेदार हैं। जिसके चलते हवा में जहर घुल गया और दिवाली के पटाखों ने इसे और भी खतरनाक मोड पर पहुंचा दिया। कोर्ट से इजाजत मिलने के बाद लोगों ने दिवाली पर जमकर आतिशबाजी की। पटाखों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाता है, जिससे दमघोंटू और दम घुटने वाली हवा पैदा होती है। यह हवा सल्फर डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों से भरी होती है। जब भी पटाखे फोड़े जाते हैं तो ये गैस प्रदूषण के रूप में हवा में घुल जाती है। जो किसी भी इंसान के लिए जहर की तरह हैं। जो हो चुका उसे तो अब नहीं बदला जा सकता, लेकिन अगर सजगता बरते तो हवा को जरूर सही किया जा सकता है। इसके लिए सरकार के साथ-साथ आम आदमी को भी पहल करनी होगी। जहां तो जरूरी न हो अपना वाहन न चलाएं। वाहनों का कम से कम प्रयोग करें। घर के बाहर कुड़ा न जलाएं, अगर निर्माण कार्य चल रहा है तो कुछ दिनों के लिए रोक दे। ये छोटे-छोटे कदम बड़ी राहत देंगे।

दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता के उपाय

कृषि योजना
प्रमोद भार्गव

दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं। दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। पीएम मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नानाजी देशमुख ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत की है। धन-धान्य और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन नाम से की गई ये योजनाएं यदि खेत में खरी उतरती हैं तो किसान की माली हालत तो सुधरेगी ही देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी हो जाएगा। इन योजनाओं के लिए 35,440 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। ये योजनाएं खासतौर से पिछड़े सौ जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विविध फसलों की पैदावार को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आरंभ की जा रही हैं।

दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिए वर्ष 2030-31 तक उत्पादन को 252 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करने का लक्ष्य तय किया है। इस हेतु 35 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि दलहन उत्पादन के दायरे में लाई जाएगी। विडंबना देखिए, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दलहन उत्पादन और उपभोक्ता देश है, लेकिन दालों की आपूर्ति आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल में कृषि निर्यात दोगुना हो गया है लेकिन दालें आयात करनी पड़ती हैं।

आहार में पौष्टिक तत्वों का कारक मानी जाने वाली दालें, बढ़ते दामों के कारण गरीब की शारीरिक जरूरत पूरी नहीं कर रही हैं। ये हालात मानसून के दौरान औसत से कम या ज्यादा बारिश होने से तो उत्पन्न होते ही हैं, किसान के नकदी फसलों की ओर रुख करने के कारण भी हुए हैं। यही नहीं, यह स्थिति इसलिए भी बनी, क्योंकि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार की गलत नीतियों के चलते किसान को खाद्य वस्तुओं की बजाय, ईंधन, प्लास्टिक और फूलों की फसल उगाने के लिए, कृषि विभाग ने जागरूकता के अभियान चलाए। यही वजह रही कि भूमंडलीकरण के दौर में दालों की पैदावार लगातार कम होती चली गई। दाल उत्पादन का रकबा लगभग 15 हजार हेक्टेयर कम हो गया। भारत में दालों की सालाना खपत 220 से 230 लाख टन है। मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर के चलते जमाखोरों और दाल के आयातक व्यापरियों को भी वारे-न्यारे करने का मौका मिल जाता है। पौष्टिक आहार देश के हरेक नागरिक के स्वस्थ जीवन से जुड़ा अहम प्रश्न है। संविधान के मूलभूत अधिकारों में भोजन का अधिकार शामिल है। चूंकि दालें प्रोटीन और पौष्टिकता का महत्वपूर्ण जरिया हैं। चूंकि दालें आयात करनी होती हैं, इसलिए इनके भाव भी बीच-बीच में बढ़ जाते हैं। इस कारण मध्यवर्गीय व्यक्ति की थाली से दाल गायब होने लगती है। चुनांचे दाल व्यक्ति की सेहत से जुड़ी हैं और बीमारी की हालत में तो रोगी को केवल दाल-रोटी खाने की ही सलाह चिकित्सक देते हैं। वर्ष 1951 में प्रतिव्यक्ति दालों की उपलब्धता 60 ग्राम थी,जो वर्ष 2010 में घटकर 34 ग्राम रह गई। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार यह मात्रा 80 ग्राम होनी चाहिए। दालें भारत में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती हैं। लेकिन स्थानीय मांग पूरी करने के लिए दाल उत्पादन में किसान को बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। तुअर दाल की फसल आठ माह में तैयार होती है। बावजूद किसान को उचित दाम नहीं मिलते हैं। गोया, किसान साल में एक फसल उगाने में रुचि कैसे लें? विदेशों में रहने वाले भारतीय भी सबसे ज्यादा तुअर की दाल खाना पसंद करते हैं। देश में सबसे अधिक चने और

अरहर की खेती होती है। इनके अलावा मूंग और उड़द की दालें पैदा होती हैं। देष में 10 राज्यों के किसान दालों की खेती करते हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पादक राज्य महाराष्ट्र है। दालें मुख्य रूप से खरीफ की फसल हैं,जो वर्षा ऋतु में बोई जाती हैं। इस ऋतु में करीब 70 प्रतिशत दालों का उत्पादन होता है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार दालों के तात्कालिक भाव 85.42 प्रति किलो से लेकर 112.88 रुपये किलो तक हैं। भावों में इस उछाल का कारण जमाखोरी और सट्टेबाजी के साथ आयात का कुचक्र है। टाटा, मंहिद्रा, ईजी-डे और रिलांइस जैसी बड़ी कंपनियां जब से दाल के व्यापार से जुड़ी हैं, तब से ये जब चाहे तब मुनाफे के लिए दाल से खिलवाड़ करने लग जाती हैं। जब कंपनियां बड़ी तादाद में दालों का भंडारण कर लेती हैं,तो भावों में कृत्रिम उछाल आ जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने दालों का भंडारण सितंबर 2024 से सीमित किया हुआ है। इस कारण भाव नियंत्रण में हैं। मीडिया दाल के बढ़ते भावों को गरीब की थाली से जोड़कर उछालता है। तब सरकार दाल के आयात के लिए विवश हो जाती है। मसलन देशी-विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हर हाल में पौ-बारह बने रहते हैं। इन कंपनियों का दबदबा इतना है कि कोई भी राज्य सरकार इनके गोदामों पर छापे डालने का जोखिम उठाने का साहस नहीं जुटा पाती। लिहाजा कालाबाजारी बदस्तूर रहती है। ये कंपनियां मसूर और मटर की दाल कनाडा से, उड़द और अरहर की दाल बर्मा के रंगून से, राजमा चीन से और काबुली चना आस्ट्रेलिया से आयात करती हैं। इनके अलावा अमेरिका, रूस, केन्या, तंजानिया, मोजांबिक, मलावा और तुर्की से भी दालें आयात की जाती हैं। कनाडा ने मसूर दाल के भाव पिछले साल की तुलना में दोगुने कर दिए हैं। कनाडा एशियाई देशों में सबसे ज्यादा दालों का निर्यात करने वाला देश है। इस नाते यह कहने में कोई दो राय नहीं कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बात तो छोड़िए, देशी कंपनियां भी भारतीय कृषि को बदहाल बनाए रखना चाहती हैं। आयात की जब इन्हें खुली छूट मिल जाती है तो ये जरूरत से ज्यादा दाल व तेल का आयात करके भारत को डंपिंग ग्राउंड बना देती हैं। तय है, कालांतर में भारत की तरह दूसरे देशों में यदि मौसम रूठ जाता है तो दाल और प्याज की तरह खाद्य-तेल के भाव भी आसमान छूने लग जाते हैं। सस्ते तेल का आयात जारी रहने की वजह से ही भारत में तिलहन का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। बावजूद हमारे नेता ऐसी नीतियों को बढ़ावा देने की कोशिशों में लगे रहे हैं कि दलहन और तिलहत के क्षेत्र में भारत पूरी तरह परावलंबी बना रहे। इस परिप्रेक्ष्य में मनमोहन सरकार के कृषि मंत्री बलराम जाखड़ ने सलाह दी थी कि भारत अफ्रीका में दालें उगाए और फिर आयात करे। इसी तरह संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार म्यांमार और उरुग्वे में दालें पैदा करके आयात करना चाहते थे। ये सुझाव समझ से परे हैं। फसल के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में आधुनिक गोदाम और कोल्ड स्टोरेज का नेटवर्क बनाना होगा। यह इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दाल से बेसन, पापड़, नमकीन और अन्य उत्पाद बनाने के लिए स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ावा देने से किसानों की आय में और वृद्धि होगी। आखिर ऐसे क्या रहस्य हैं कि हमारे नीति-नियंता विदेशी धरती पर तो दाल उत्पादन को प्रोत्साहित करना चाहते हैं, किंतु देश के किसानों को लाभकारी मूल्य देना नहीं चाहते? ऐसी मंशाएं देश की खाद्य सुरक्षा को जान-बूझकर संकट में डालने जैसी लगती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस नाते 100 पिछड़े जिलों में दालों के उत्पादन का दायरा बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विचारधारा

आचार्य श्रीहरि

मरने-मारने की हिंसा में निपट गया माओवाद

माओवाद एक विदेशी विचारधारा है। माओवाद की आधारशिला रखने वाला माओत्से तुंग एक चीनी तानाशाह था। वह अपने पड़ोसी देशों भारत, वियतनाम, भूटान, नेपाल ही नहीं बल्कि जापान, फिलिपींस और कंबोडिया जैसे देशों को भी कीड़े-मकौड़े की तरह देखता और समझना था। अपनी सैनिक शक्ति के बल पर उन्हें कुचलना चाहता था और अपना गुलाम भी बनाना चाहता था। इसीलिए उसने भारत पर हमला किया था, वियतनाम सहित अन्य देशों को भयभीत किया था। माओवाद की विचारधारा भारतीय संस्कृति और सभ्यता से एकदम अलग है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता से माओवाद दुश्मनी का भाव रखता है। जैसे एक मयान में दो तलवारें नहीं हो सकती हैं, वैसे एक ही भूभाग पर दो भिन्न-भिन्न विचारधाराएं गतिमान नहीं रह सकती हैं। भारतीय संस्कृति और सभ्यता वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करती है, समान न्याय में विश्वास करती है, अहिंसा में विश्वास करती है, लूटमार, हत्या और डकैती से विरक्त है। इसीलिए हमारी संस्कृति अहिंसा परमो धर्म का सिद्धांत पर टिकी हुई है। भगवान महावीर ने अहिंसा को मुक्ति का मार्ग बनाया था, आज भी भगवान महावीर के अनुयायी अहिंसा के सिद्धांत का पालन करते हैं और अपने मुंह पर पट्टी लगाते हैं, ताकि कोई प्राणी उनके मुख में आकर शिकार न बन जाए। महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को भगाने के लिए इसी अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत का पालन किया था। अहिंसा के सिद्धांत पर चलकर महात्मा गांधी अमर हो गये और आज भी भारत के जनमानस पर उनकी छाप अंकित है और सत्ता की राजनीति भी महात्मा गांधी के अहिंसा के विचारों को आत्मसात कर गतिशील होती है। ऐसी धरती पर माओवाद का अस्तित्व और सक्रियता के जीवंत होने की बहुत बड़ी उम्मीद पालना ही नाउम्मीदी के सम्मान थी, जिसके पीछे असंख्य हत्याएं हुई, विकास और उन्नति की उम्मीदों और सक्रियताओं को बन्दूकों की गोलियों से संहार किया गया, कुचला गया। माओवाद एक तरह से इस्लाम के सहचर जैसे हैं। जिस प्रकार से इस्लाम अपने जन्मकाल के सिद्धांतों से बंधा हुआ है और नये विचारों को अपनाने के लिए तैयार नहीं होता है, उसी प्रकार माओवाद अभी भी बन्दूक की गोली से सत्ता मिलती के सिद्धांत को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। भारत की लोकतंत्र में ये स्वयं अपनी जगह बनाने के लिए तैयार नहीं हैं और भारत की जनता बन्दूक की गोली की क्रांति के साथ चलने के लिए तैयार भी नहीं है। माओवाद की कहानी हिंसक है, खूनी है और तानाशाही है। तानाशाही जहां पर होती है वहां पर जनता की भागीदारी नहीं होती है, जनता की इच्छा कोई स्थान नही रखती है, जनता अपना भाग्य विधाता खुद नहीं चुन सकती है, जनता सिर्फ तानाशाही की इच्छा का पालन करने और तानाशाही के फरमान के अनुसार चलने के लिए बाध्य होती है। कहने की जरूरत नहीं है कि माओवाद जिसके आधार पर खड़ा है यानी कि माओत्से तुंग वह खुद एक तानाशाह था। माओ कहता था कि सत्ता बन्दूक की गोली से निकलती है, सत्ता जनता की इच्छा और जनमत से नहीं निकलती है। यही कारण था कि माओ ने चीन पर वर्षों राज किया, राज करने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ बन्दूक की गोली थी। माओ ने चीन से बाहर झांक कर नहीं देखा था, उसने अमेरिका के एटम बम से मारे गये हिरोशिमा-नागाशकी लोगों की विभत्स पीड़ा को नहीं देखी थी, उसने ब्रिटेन के उपनिवेशवाद के प्रहार से बने गिरमिटिया मजदूरों के संघर्ष और अपनी भूमि से बेदखल होने की पीड़ा को नहीं देखा था। हमारा प्रश्न यह है कि अगर माओवाद जनकल्याणकारी था, वैज्ञानिक था तब माओवाद का अंत माओ के मरने के साथ ही क्यों हो गया? भारत का लोकतंत्र जीवंत भी है और गतिमान भी है। लाख विसंगतियां और संकट होने के बावजूद लोकतंत्र के प्रति विश्वास कायम है। माओवाद, लेनिनवाद और मार्क्सवाद एक विफल और खारिज हुई विचारधारा है, जिसमें सिर्फ और सिर्फ हिंसा और तानाशाही निहित है। यही कारण है कि पहले सोवियत संघ का पतन हुआ, लेनिन, स्तालिन और मार्क्स की विचार धाराएं ध्वस्त हुई, फिर चीन माओ की विचारधारा से अलग होकर पूंजीवाद के चरम पर पहुंच गया। भारत में भी माओवाद निरर्थक बन गया है। विश्वविद्यालयों में धमक रखने वाला और धमाल मचाने वाले माओवादी समर्थक युवाओं की कमी महसूस की जा सकती है, इसके घटने और निरर्थक बन जाने को महसूस किया जा सकता है। माओवाद बंदूक की क्रांति की उम्मीद छोड़ेगा नहीं और भारत की जनता इनकी बन्दूक क्रांति होने नहीं देगी। ऐसी परिस्थितियों में माओवाद का निरर्थक होना और माओवाद का संहार होना अनिवार्य ही है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

स्वयं की शक्तियों को पहचानें

संकलित
दर्शन

मनुष्य ही क्या प्राणिमात्र के जीवन की सफलता उसके कर्मों पर निर्भर है। उसके कर्म, ज्ञान, संकल्प, साहस तथा आचरण पर निर्भर करते हैं। अपने आपको जाने बिना व्यक्ति को अपनी क्षमता का आभास नहीं हो सकता। यही वह आत्म-तत्व है, जिसका विवेचन

यह विशेषता होती है कि वह अपने विवेक का प्रयोग कर जीवन की एक धारा निर्धारित कर सकता है। शनैः शनैः सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है। स्वयं की शक्तियों को पहचानने का ज्ञान ही तो जीवन-दर्शन का तत्व है, जिसको आत्म-तत्व भी कहते हैं। यही वह ज्ञान है जो हमें अपनी शक्तियों को समाज के कार्यों में लगाने की प्रेरणा देता है। ज्ञानेंद्रियां मन के अधीन होती हैं और मन बुद्धि के। बुद्धि का संबंध आत्मा से है जो बुद्धि को संयत रहने के लिए प्रेरित करती है। यह आत्मा ही परमात्मा का अंश है। आत्मा का विकास होने पर वह महान-आत्मा (महात्मा) तथा महान से ऊपर उठने पर वह परम [परमात्मा] तक हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर स्वामी आदि मानव शिशु के रूप में जन्म लेकर बालक की भांति खेलकर अपनी आत्मा को विकसित कर महात्मा और परमात्मा तक हो गए। आत्मतत्व नित्य एवं शाश्वत है। आत्म-तत्व, पुष्प से भी बड़ी सुगंध की भांति अपनी महत्ता रखता है जो पुष्प को तो सुवासित करता ही है, इससे आसपास का वातावरण भी सुवासित होकर आनंदित हो जाता है।

ज्ञान के साथ परमपद की प्राप्ति

संकलित
प्रेरणा

व्यासपुत्र शुकदेव सभी शास्त्रों में निपुण थे। एक समय उनके मन में यह विचार आया कि मैंने सभी शास्त्रों का अध्ययन कर लिया, किन्तु अभी तक मुझको परमानन्द का अनुभव नहीं हुआ और न यही ज्ञात हुआ कि यह संसार कैसे उत्पन्न हुआ है और कैसे इसकी निवृत्ति

करेंगे। शुकदेव अपने पिता के पास गए और उनके समक्ष उन्होंने अपनी जिज्ञासा प्रकट की। वेदव्यास ने उनको कहा-पुत्र! मैं सर्वतत्त्वज्ञ नहीं हूँ, राजा जनक सर्वतत्त्वज्ञ हैं। तुम उनके पास जाओ। वे ही तुम्हारी शंकाओं की निवृत्ति करेंगे। शुकदेव अपने पिता की आज्ञा पाकर मिथिला नगरी पहुँचे और राजा जनक के द्वार पर आकर उन्होंने द्वारपाल से राजा से मिलने का आशय प्रकट किया। द्वारपाल ने जाकर राजा से कहा कि द्वार पर शुकदेव खड़े हैं और आपसे मिलना चाहते हैं। जनक समझ गए कि शुकदेव तत्त्वज्ञान प्राप्त करने के लिए यहाँ आए हैं। कुछ सोचकर उन्होंने कहा-खड़े रहने दो। शुकदेव सात दिन तक द्वार पर ही खड़े रहे। आठवें दिन राजा ने पूछा-शुकदेव खड़े हैं या चले गए? द्वारपाल ने कहा-महाराज। ये तो उसी प्रकार निश्चल और निस्तब्ध खड़े है जैसे कि आनेवाले दिन थे। राजा ने कहा-उनको ले आओ और अन्तःपुर में महारानियों और सुन्दरियों के मध्य उनके रहने की व्यवस्था कर दो जिससे कि वे उत्तम भोजन, सुख-भोग आदि प्राप्त कर सकें। शुकदेव इस परिस्थिति में भी सात दिन रहे, किन्तु उनको वहाँ रहने से न हर्ष हुआ और न कोई शांक हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

आमजन की कोई कीमत नहीं

राजनीतिक दलों और सरकारों की निगाहों में देश में आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं रह गई है। इसका नया प्रमाण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दूषित खांसी की सीरिप से होने वाली मौतें हैं। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में मिलावटी सीरिप पीने से 11 और राजस्थान में तीन बच्चो की मौत हो गई। यह पहली बार नहीं है जब देश में स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। इससे पहले भी विदेश में निर्यात की जाने वाली खांसी की सीरिप से मौतों के मामले सामने आ चुके हैं। उस वक्त यदि देश के औषिधी विभाग ने सख्त कदम उठाए होते तो जहरीली सीरप पीने से बच्चों की होने वाली मौतों को रोका जा सकता था।

- रूद्रांश शुक्ला, कानपुर

X ट्रेंड f

वायु शक्ति प्रदर्शन

आईएनएस विक्रांत पर एक विस्मयकारी वायु शक्ति प्रदर्शन देखा, जिसमें सटीकता और पराक्रम का प्रदर्शन किया गया। एक छोटे से रनवे पर मिग-29 लड़ाकू विमानों का कौशल, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का अद्भुत प्रदर्शन था।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम

दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध 12 कॉलेजों को वेतन, अधोसंरचना और संचालन हेतु 108 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है, ताकि उच्च शिक्षा संस्थान और अधिक सक्षम एवं सुसंगठित बन सकें।
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

जीआई टैग से सम्मानित

वंदे भारत ट्रेन में जीआई टैग से सम्मानित सांगानेरी प्रिंट के कंबल कवर को स्थान मिलना राजस्थान की शिल्पकलाओं और सांगानेर के लिए गौरव का क्षण है। यह कला अब देश के कोने-कोने तक पहुंचेगी।
-भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

घुसपैठ का मुख्य प्रवेश द्वार

भौगोलिक दृष्टि से बांग्लादेश की सीमा के नजदीक स्थित झारखंड का पाकुड़ जिला आज घुसपैठ का मुख्य प्रवेश द्वार बन चुका है। यहाँ घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उन्हें सरकारी संरक्षण में योजनाबद्ध तरीके से बसाया जा रहा है।
- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

एक गुर्दे के साथ पैदा हुए बच्चे रह सकते हैं स्वस्थ

भारत में बाल स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों ने लोगों में उम्मीद जगाते हुए कहा कि केवल एक गुर्दे के साथ जन्म लेने वाले बच्चे उचित देखभाल और नियमित निगरानी और माता-पिता के पूर्ण समर्थन से पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। इस स्थिति को चिकित्सकीय भाषा में 'यूनिलेटरल रीनल एजेनेसिस' कहा जाता है। विश्व स्तर पर लगभग 1,000 में से एक शिशु केवल एक गुर्दे के साथ पैदा होता है जबकि 1,000 में से एक शिशु ऐसा भी जन्म लेता है, जिसके शरीर में होते दो गुर्दे हैं लेकिन केवल एक ही ठीक से काम कर रहा होता है। यह निदान हालांकि शुरू में चिंता का विषय हो सकता है लेकिन चिकित्सा पेशेवरों ने इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ गुर्दा, दो के मुकाबले भी सही से काम करने में सक्षम है। विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में काम रहा एक गुर्दा अक्सर क्षतिपूर्ति की बड़ी जिम्मेदारी संभालता है, जिसे 'कंपन्सेटरी हाइपरट्रॉफी' कहते हैं। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में बाल शल्य चिकित्सा और बाल मूत्रविज्ञान विभाग के निदेशक डॉ. संदीप कुमार सिन्हा ने बताया, "जब बच्चे के शरीर में एक ही गुर्दा है, तो इनमें से अधिकांश बच्चे बिना किसी जटिलता के बड़े हो जाते हैं।"

ऑफ बीट

शुभता और सेहत का प्रतीक है नारियल

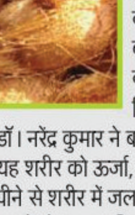

नारियल का पौधा शुभता, पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे घर में लगाना बहुत मंगलकारी माना गया है। धर्म विशेषज्ञों के अनुसार, घर में नारियल का पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह पौधा वातावरण को भी शुद्ध करता है और सकारात्मकता बढ़ाता है। नारियल का पौधा केवल समुद्री इलाकों में ही नहीं, बल्कि घर में गमले में भी आसानी से लगाया जा सकता है। उचित देखभाल और पर्याप्त धूप मिलने पर यह पौधा अच्छी तरह बढ़ता है। यह घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ धार्मिक दृष्टि से भी शुभ माना जाता है। इसे दक्षिण दिशा में लगाना विशेष रूप से फलदायी होता है। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ। नरेंद्र कुमार ने बताया कि आयुर्वेद में नारियल को अमृत फल कहा गया है। यह शरीर को ऊर्जा, पोषण और रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है। नारियल पानी पीने से शरीर में जल संतुलन बना रहता है और पाचन शक्ति मजबूत होती है। इसमें मौजूद प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को तुरंत ताजगी देते हैं और आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि नारियल पानी एसिडिटी, पेट दर्द और अल्सर जैसी समस्याओं में राहत देता है। वहीं, नारियल तेल कब्ज दूर करने और पाचन सुधारने में सहायक है। यह त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 4 दिन के केरल दौरे पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान बड़ी घटना, केरल में धंसा हेलिपैड

नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 22 अक्टूबर से केरल दौरे पर हैं। 4 दिन वे केरल में रहेंगी। बुधवार को राष्ट्रपति को सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में दर्शन और आरती के लिए पत्तनामथिट्टा में जाना था। इसके लिए राष्ट्रपति पत्तनामथिट्टा के प्रमदम स्टेडियम के हेलीपैड पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को लैंड करना था, लेकिन इस दौरान बड़ी घटना हो गई। लैंडिंग के दौरान हेलीपैड का एक हिस्सा धंस गया। राष्ट्रपति भारतीय एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर में सवार थीं। हालांकि, गनीमत रही कि कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। घटना के बाद मौके पर तुरंत पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के कर्मियों ने धंसे हुए स्थान से हेलिकॉप्टर को बाहर निकाला।

मंगलवार रात में बनाया गया था हैलीपेड बारिश के कारण रह गई थी नमी

पहले लैंडिंग पंबा में होनी थी, बाद में खराब मौसम के चलते प्रमदम में कराई गई

भगवान अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना करने वाली वे पहली महिला राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने सबरीमाला मंदिर में दर्शन किए

इरुमुदिकेट्टू को हाथ में लिए पवित्र 18 सीढ़ियां (पथिनेट्टमपदी) चढ़ीं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को सबरीमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना की। पारंपरिक काले परिधान पहने और इरुमुदिकेट्टू को हाथ में लिए राष्ट्रपति ने पवित्र 18 सीढ़ियां (पथिनेट्टमपदी) चढ़ीं और कड़ी सुरक्षा के बीच भगवान अयप्पा के दर्शन किए। राष्ट्रपति सुबह-सुबह पंबा पहुंचीं, पवित्र नदी में स्नान किया और पंबा गणपति मंदिर में पूजा-अर्चना की।

ये कार्यक्रम हैं राष्ट्रपति के

आज गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबरीमला मंदिर के बाद राजभवन में पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति वर्कला में शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु के महासमाधि शताब्दी समारोह का भी उद्घाटन करेंगी। राष्ट्रपति की कोट्टायम जिले के पाला स्थित सेंट थॉमस कॉलेज के 75 वर्ष पूरे होने के उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होने की योजना है। 24 अक्टूबर को एर्णाकुलम स्थित सेंट टेरेसा कॉलेज के शताब्दी समारोह में राष्ट्रपति शामिल होंगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

खबर संक्षेप

मंगलसूत्र नहीं दिलाया तो पत्नी ने कर ली आत्महत्या

बड़वानी। डॉक्टर की पत्नी ने 301 फीट ऊंचे पुल से नर्मदा नदी में छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। पति डॉ. कृष्णा लोनखेड़े का कहना है कि पत्नी को मंगलसूत्र चाहिए था। उसे समझाया कि बाद में ला देंगे। इसी से नाराज होकर उसने आत्महत्या कर ली। महिला कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर थी और जिले के बोराली गांव में पदस्थ थी। घटना छोटी कसरावद गांव में बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे की है।

उम्मीद : भारत के लिए बेहतर हो सकती है नवंबर की शुरुआत, आ सकती है ये खबर

भारत-अमेरिका में टैरिफ डील निर्णायक मोड़ पर... 50 नहीं 15% टैरिफ होगा

रिपोर्ट में यहां तक दावा किया गया है कि इसी अक्टूबर के अंत तक यह डील फाइनल हो सकती है। कई दौर की वार्ताओं के बाद दोनों देश निर्णायक मोड़ पर पहुंच गए हैं

नई दिल्ली,

भारत के लिए जल्द ही खुशखबरी हो सकती है। भारत लगा 50 % प्रतिशत महज 15 से 16 प्रतिशत तक रह सकता है। इसके लिए भारत अमेरिका एक डील पर काम कर रहे हैं। दावा किया गया कि दोनों देश काफी समय से एक व्यापार डील को पूरा करने के करीब पहुंच गए हैं। इससे भारत पर लगा अमेरिकी टैरिफ बेहद कम हो जाएगा। इसके साथ ही डील में कृषि और एनर्जी दोनों को केंद्र में रखा जा रहा है।

जैसा कि ट्रंप लगातार रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति जता रहे हैं। इससे साफ है कि डील में रूस से कच्चा तेल खरीदने का बिंदु जरूर शामिल होगा। ट्रंप के मुताबिक भारत रूस से तेल खरीद बंद या कमी कर सकता है। नवंबर की शुरुआत में इस डील के होने की खबर मिल सकती है।

दोनों देश डील के बिल्कुल नजदीक पहुंचे

फाइल फोटो

इस डील में कृषि और एनर्जी दोनों को केंद्र में रखा जा रहा है

डील में रूस से कच्चा तेल खरीदने का बिंदु जरूर शामिल होगा

आसियान शिखर सम्मेलन में ऐलान कर सकते हैं ट्रंप

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका और भारत के बीच यह डील अपने अंतिम चरण में है। रिपोर्ट में यहां तक कहा गया कि इसी अक्टूबर के अंत तक यह डील फाइनल हो सकती है। इसी महीने के अंत में आसियान शिखर सम्मेलन होना है। इस मौके पर ट्रंप इसका औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक दोनों देशों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

भारत रूस से तेल खरीदना कर सकता है कम

22 अक्टूबर को ट्रंप ने दिवाली की शुभकामानाएं देने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया था। इसके बाद ट्रंप ने दावा किया था कि पीएम मोदी रूस से तेल खरीद को बेहद कम कर देंगे। पीएम मोदी भी रूस-यूक्रेन को खत्म करना चाह रहे हैं। इससे रिपोर्ट का दावा और स्पष्ट हो जाता है कि रूस से तेल खरीद कम करने पर अमेरिका के टैरिफ से बड़ी राहत मिल सकती है।

पीएम मोदी ने दिवाली की शुभकामनाओं के लिए ट्रंप को कहा धन्यवाद

बोले- हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिवाली की शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं और प्रकाश के इस पर्व पर हमारे दो महान लोकतंत्र दुनिया को उम्मीद की किरण दिखाते रहें। पीएम मोदी ने दिवाली की शुभकामनाओं का धन्यवाद करते हुए एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप, आपके फोन कॉल और दिवाली की हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। इस प्रकाश पर्व पर, हमारी दोनों महान लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं विश्व को आशा की किरणों से रोशन करती रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें। दरअसल, दीवाली के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पारंपरिक दीपक जलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ये दीपक अंधेरे पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दिवाली समारोह से पहले ट्रंप ने मीडिया को बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की, जिसमें मुख्य रूप से ट्रेड संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई। व्हाइट हाउस दिवाली समारोह में एफबीआई निदेशक काश पटेल, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गब्बार्ड, व्हाइट हाउस के उप प्रेस सचिव कुश देसाई, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और नई दिल्ली में वाशिंगटन के दूत सर्जियो गोर समेत प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए. इसमें भारतीय-अमेरिकी व्यापारिक नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी भाग लिया।

महाकाल मंदिर के गर्भगृह की घटना

ड्रेस कोड और पगड़ी को लेकर विवाद, गाली-गलौज और हाथापाई की 'नौबत'

विद्वत परिषद के पदाधिकारियों ने घटना की निंदा की

महंत महावीरनाथ

गर्भगृह में पुजारी महेश शर्मा और नाथ संप्रदाय के महंत महावीरनाथ के बीच गाली-गलौज

दोनों ने मंदिर प्रशासक व कलेक्टर से शिकायत की, महेश पुजारी पर परेशान करने का आरोप

नई दिल्ली,

उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को एक अप्रिय घटना हुई। मंदिर के गर्भगृह में पुजारी महेश शर्मा और नाथ संप्रदाय के महंत महावीरनाथ के बीच विवाद हो गया। विवाद ड्रेस कोड और पगड़ी उतारने को लेकर हुआ।

यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ने एक-दूसरे के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। जानकारी के मुताबिक ऋणमुक्तेश्वर मंदिर के महंत महावीरनाथ, गोरखपुर से आए महंत शंकरनाथ महाराज के साथ सुबह सवा आठ बजे दर्शन पूजन के लिए महाकाल मंदिर पहुंचे थे। गर्भगृह में प्रवेश के समय मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने उनसे कहा कि वे ड्रेस कोड का पालन करें और पगड़ी उतारें। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। महंत महावीरनाथ ने आरोप लगाया कि पुजारी महेश शर्मा सभी श्रद्धालुओं को परेशान करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ आए महंत हार्ट पेशेंट हैं, फिर भी उनसे पगड़ी और कपड़े उतरवाए गए। महंत ने कहा कि वे कलेक्टर को ज्ञापन देकर महेश शर्मा को मंदिर से हटाने की मांग करेंगे।

एक एकड़ जमीन पर दो पक्षों में विवाद

दुकान पर दीया जला रहे

नाम परिवर्तन

मैं जैसवाल सिंह शोरी पिता स्व. सुखनन्दन सिंह उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम-पलका, पोस्ट-सलका, तहसील-उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्री का सही व वास्तविक नाम नम्रता सिंह शोरी (NAMRATA SINGH SHORY) पिता जैसवाल सिंह शोरी (JAISWAL SINGH SHORY) है जो कि पुत्री की अंकसूची 10वीं व जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है। जबकि बच्ची के आधार कार्ड में बच्ची का नाम नम्रता सिंह सोरी दर्ज है जो कि गलत है।

अतः आज से मेरे पुत्री का वास्तविक नाम नम्रता सिंह शोरी (NAMRATA SINGH SHORY) पिता जैसवाल सिंह शोरी (JAISWAL SINGH SHORY) के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए। इस संबंध में मेरा स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
जैसवाल सिंह शोरी
(JAISWAL SINGH SHORY)

नाम व पिता के नाम में परिवर्तन

मैं जैसवाल सिंह शोरी पिता स्व. सुखनन्दन सिंह उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम-पलका, पोस्ट-सलका, तहसील-उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम शिशुपाल सिंह शोरी (SHISHUPAL SINGH SHORY) पिता जैसवाल सिंह शोरी (JAISWAL SINGH SHORY) है। जो कि बच्चे के अंकसूची (5 वीं) व जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है जबकि बच्चे के आधार कार्ड में बच्चे का नाम शिशुपाल सिंह शोरी (SHISHUPAL SINGH SHORY) पिता जायसवाल सिंह (JAISWAL SINGH) दर्ज है जो कि गलत है। अतः आज से मेरे पुत्र का नाम शिशुपाल सिंह शोरी (SHISHUPAL SINGH SHORY) पिता जैसवाल सिंह शोरी (JAISWAL SINGH SHORY) के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए। इस संबंध में मेरा स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
जैसवाल सिंह शोरी
(JAISWAL SINGH SHORY)

नाम व पिता के नाम में परिवर्तन

मैं जैसवाल सिंह शोरी पिता स्व. सुखनन्दन सिंह उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम-पलका, पोस्ट-सलका, तहसील-उदयपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्री का सही व वास्तविक नाम रंजना सिंह शोरी (RANJANA SINGH SHORY) पिता जैसवाल सिंह शोरी (JAISWAL SINGH SHORY) है। जो कि पुत्री के अंकसूची (8 वीं) व जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज है, जबकि बच्ची के आधार कार्ड में बच्ची का नाम रंजना सिंह सोरी (RANJANA SINGH SORI) पिता जयसवाल सिंह सोरी (JAISWAL SINGH SORI) दर्ज है। जो कि गलत है। अतः आज से मेरे पुत्री का वास्तविक नाम रंजना सिंह शोरी (RANJANA SINGH SHORY) पिता जैसवाल सिंह शोरी (JAISWAL SINGH SHORY) के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए। इस संबंध में मेरा स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
जैसवाल सिंह शोरी
(JAISWAL SINGH SHORY)

सपा नेताओं के सनातन विरोधी बयानों पर डॉ. राजेश्वर सिंह की दो-टूक

लखनऊ । सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बृहस्पतिवार को जारी दो प्रभावशाली सोशल मीडिया संदेशों के माध्यम से एक ओर समाजवादी पार्टी द्वारा भारतीय परंपराओं पर किए जा रहे असंवेदनशील राजनीतिक वक्तव्यों पर करारा प्रहार किया, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों द्वारा देश को विभाजित करने की नीति पर गंभीर टिप्पणी की।दीपोत्सव के अवसर पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव जी और आजम खान के बयानों को भारतीय संस्कृति पर सीधा प्रहार बताते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह जी ने कहा, दीपक केवल मिट्टी का पात्र नहीं, भारत की आत्मा का प्रतीक है। वह ज्ञान का प्रकाश, शुभ कर्मों की प्रेरणा और धर्म की स्थिरता है।

दो भाइयों का 'कत्ल'

तीसरे की हालत गंभीर

परिजनों ने नेशनल हाईवे 43 पर चक्काजाम कर दिया

चौकी प्रभारी आशीष झारिया लाइन हाजिर

नई दिल्ली,

शहडोल जिले में तलवार से वार कर दो भाइयों की हत्या कर दी गई। बचाने पहुंचे तीसरे भाई पर भी हमला किया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हत्या के मुख्य आरोपी ने अपने कुछ साथियों के साथ बुढ़ार थाने में सरेंडर कर दिया है। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक ने केशवाही चौकी प्रभारी आशीष झारिया को लाइन हाजिर कर दिया। घटना मंगलवार रात बलबहरा गांव की है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 202510020700064 /ब-121/2025-26

प्रस्तावित नक्शा का अंतिम ईश्तहार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा०प्र०क्र० 202510020700064/ब-121/2025-26 कामता प्रति छ.ग. शासन में ग्राम बरढोठी स्थित खसरा नबर 691/3 रकबा 0.057 हे. भूमि का नक्शा बटांकन कर शुजस्व निरीक्षक के माध्यम से मंगाया गया। जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा अतः उक्त नक्शा बटांकन में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेश दिनांक 07/11/2025 को इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन नगर सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सोमेश्वर सिंह आ. जवाहर लाल सिंह, जाति गोंड़, निवासी सूरजपुर, तहसील व जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि नगर सूरजपुर, प.ह.नं. 11. रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 2739 रकबा 0.1050 हे. में से रकबा 0.048 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30-10-2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 22-10-2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

रा०प्र०क०//अ-2/2023-24

-ईश्तहार::-

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सोनपुर को सूचित किया जाता है। आवेदक जगनारायण आ. भैयालाल जाति तेली निवासी ग्राम सोनपुर तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर अन्य ने अपने स्वामित्व व अधिपत्य की कृषि भूमि स्थित ग्राम सोनपुर प.ह.नं.09 रा.नि.म. पटना तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 1812/2 रकबा 0.05 हे. को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत सोनपुर का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07.11.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 17.10.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुनीता साहू आ. सत्यनारायण, जाति तेली, निवासी ग्राम सोनपुर, तहसील रामानुजनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि सूरजपुर, प.ह.नं. 11, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 2328/5 रकवा 0.02 है. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 06/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात्प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 23/10/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम जरहाडीह को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रेशमा बेगम खान पति इसरार खान, जाति मुसलमान, निवासी नवागढ, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य भूमि स्थित ग्राम जरहाडीह, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 457/2 रकबा 0.079 हे० भूमि को कृषि भिन्न से व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, रजिस्ट्री, इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/10/2025 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
धौरपुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20(3)/2024-25

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राहुल कश्यप आ. रमाशंकर कश्यप उम्र लगभग 38 वर्ष जाति कहार निवासी सदर रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 3 स्थित नजूल भूखण्ड कमाक 1003/6 रकबा 420.02 वर्गफीट भूमि को अनावेदक /केता रोबिन्स सिंह छाबडा आए जगदीश सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष जाति सिक्ख निवासी गुरुद्वारा वार्ड अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-31/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर दिनाँक 13/10/2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्रामः- कोसंगा
तहसीलः लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका समयलाल आ. स्व. बभनू निवासी ग्राम कोसंगा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (माता) स्व० करमकुवंर की मृत्यु दिनांक 12/08/2010 को हो जाने से (जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रजि० नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 29/10/2025 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/अवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो 29/10/2020 के पूर्व वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 29/10/2025 इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

तहसीलदार
लखनपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्रीमती संगीता गुप्ता पत्नि स्व संतोष गुप्ता संकल्प गुप्ता आ.स्व. संतोष गुप्ता, निवासी बम्हरोड ब्रम्ह मंदिर के पास, शीतला यार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा तदाशय का का आवेदन प्रस्तुत्त किया गया है, कि आवेदकगण के पति / पिता संतोष गुप्ता के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं 09, मोहल्ला शीतला वार्ड ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3334, 3335 रकबा क्रमशः 0.05, 0.06 एकड़ भूमि स्थित है। आवेदकगण के पति/पिता संतोष गुप्ता की मृत्यु दिनांक 23.03.2024 को हो गई है। अतः भूधारक संतोष गुप्ता की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा फौति नामांतरण के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से उनका नाम विलोपित्त कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु मृत्तक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रत्ति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक-07/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 09/10/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका ममता केशरी पुत्री किशोरी लाल केशरी, उम्र 28 वर्ष जाति केशरवानी, निवासी सत्तीपारा ब्रम्हरोड, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर कथन किया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक महेन्द्र सिंह नामदेव पिता स्व. महिपाल सिंह, उम्र 40 वर्ष, जाति दर्जी निवासी मोहल्ला सत्तीपारा, अम्बिकापुर के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 02 मोहल्ला सत्तीपारा अम्बिकापुर स्थित भूख.क्र. 719/7 रकबा 362 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र 22.09.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के के नजूल अभिलेख से अनावेदक/विक्रेता का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/11/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09/10/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

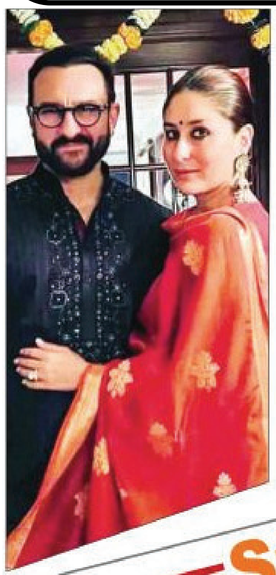

बच्चों के साथ करीना-सैफ ने खास तरह से मनाई दिवाली

मुंबई। आम लोगों की तरह कई बॉलीवुड सेलेब्स ने खूब धूमधाम से दिवाली का त्योहार मनाया है। किसी ने बेहतरीन आउटफिट में अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं तो किसी ने लोगों को शुभकामनाएं दीं। ऐसे में करीना कपूर ने अपने बच्चों के साथ खास तरह से दिवाली मनाई है। करीना अपने बच्चों और सैफ अली खान के साथ एक किड्स क्लब में पहुंचीं और सादगी से उत्सव मनाया। करीना कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर कर अपने फैंस को चौंका दिया। एक तस्वीर में करीना कपूर बिना मेकअप के नजर आ रही हैं। एक- दूसरी तस्वीर में सैफ रैक से कुछ उठा रहे हैं।

लाइफ Style

अनीत

शक्ति शालिनी में अदा करेंगी लीड रोल

यशराज फिल्म्स की 'सैयारा' में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके कॅरियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, मैडॉक की 'थामा' थिएटर्स में रिलीज हो गई है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी। मैडॉक फिल्म्स ने 'थामा' की स्क्रीनिंग के दौरान 'शक्ति शालिनी' का आधिकारिक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में सैयारा फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। मगर, अब अनीत की झोली में यह किरदार आ गिरा है। फिल्म 'शक्ति शालिनी' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। साझा किए गए वीडियो में 'या देवी सर्वभूतेषु' मंत्र सुनाई दे रहा है। इसके साथ स्क्रीन पर लिखा है, 'रक्षक, विध्वंसक, सभी की मां। आगे लिखा है, 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा। 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा की एंट्री पर उनके फैंस काफी खुश हैं। नेटिजन्स अनीत को बधाई दे रहे हैं। साथ ही लिख रहे हैं, 'उम्मीद है कि यह फिल्म शानदार साबित होगी'। बात करें फिल्म 'थामा' की तो इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है।

हॉलीवुड मसाला

प्रियंका-निक ने की लक्ष्मी पूजा

लॉस एंजिल्स। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने विदेश में परिवार और दोस्तों के बीच दिवाली का त्योहार सेलिब्रेट किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय परंपराओं का ध्यान रखा। अभिनेत्री ने बिटिया मालती मैरी के साथ बाकायदा घर की सजावट की। फिर परिवार के साथ लक्ष्मी पूजन किया। इसके बाद दोस्तों और परिवार के साथ दिवाली का जश्न मनाया। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने दिवाली बैश की झलकियां साझा की हैं। प्रियंका चोपड़ा मालती, निक जोनस के साथ लक्ष्मी पूजन कर रही हैं।

प्रतिभा के धनी थे डोल्डिंगर दास बूट से मिली सफलता

लॉस एंजिल्स। वुल्फगैंग पीटरसन की 'दास बूट' और क्लासिक फिल्म 'द नेवरएंडिंग स्टोरी' के प्रतिष्ठित साउंडट्रैक को तैयार करने के लिए जाने जाने वाले महान जर्मन सैक्सोफोनिस्ट और संगीतकार क्लॉस डोल्डिंगर का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। डोल्डिंगर को फिल्मों में सफलता पीटरसन की सबमरीन ड्रामा फिल्म 'दास बूट' से मिली, जो 1981 में रिलीज हुई थी। उनके विरल, इलेक्ट्रॉनिक-रंग वाले साउंडट्रैक ने उन्हें काफी पहचान दिलाई। सिर्फ तार, पीतल और ताल वाद्यों वाले एक न्यूनतम ऑर्केस्ट्रा समूह की पृष्ठभूमि में, संगीतकार ने शुरुआती सिंथेसाइजर का इस्तेमाल करके एक ऐसा ध्वनि परिदृश्य तैयार किया। जो सोनार स्पंदनों, इंजन ड्रोन और द्वितीय विश्व युद्ध के यू-बोट के अंदर के धातुमय वातावरण को दर्शाता है। 12 मई, 1936 को बर्लिन में जन्मे क्लॉस डोल्डिंगर ने पियानो और क्लैरिनेट की शिक्षा ली थी।

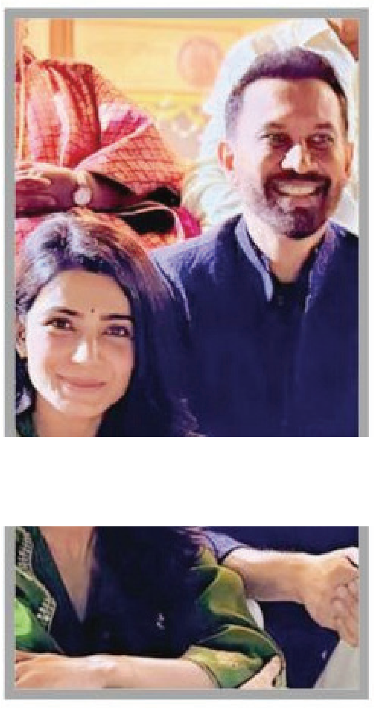

बॉयफ्रेंड राज के साथ शेयर कीं तस्वीरें

मुंबई। सामंथा रुथ प्रभु लाखों दिलों पर राज करती आ रही हैं। हाल ही में दिवाली के अवसर पर सामांथा ने अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए। सामंथा की इस पोस्ट ने इंटरनेट पर धूम मचा दी। अभिनेत्री ने दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन सबका ध्यान खींचा उनके कथित प्रेमी राज निदिमोरु के साथ उनकी तस्वीर ने। सामंथा रुथ प्रभु ने इस दिवाली पर इंस्टाग्राम पर कई तस्वीर शेयर की। लेकिन उनमें से एक तस्वीर अपने कथित प्रेमी राज निदिमोरु के साथ शेयर की है। जिससे यह साफ हो जाता है कि सामंथा ने दिवाली राज के साथ भी मनाई। सामंथा ने पोस्ट में लिखा, 'कृतज्ञता से भरी हुई।' सामंथा और राज निदिमोरु के रिश्ते की खबरें अक्सर चर्चा में रहती हैं, लेकिन दोनों ने इस बारे में कुछ नहीं कहा।

अंग्रेजों के दौर की लाएंगे कहानी

मुंबई। प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'द राजा साब' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच प्रभास अपनी एक और नई फिल्म को लेकर चर्चा में आ गए हैं। बुधवार को, टीम ने टाइटल का एक टीजर पोस्टर जारी किया। माना जा रहा है कि इसका टाइटल 'फौजी' होगा। हालांकि, नए पोस्टर में प्रभास का पूरा लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें ग्रेट ब्रिटेन का झंडा देखा जा सकता है। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है '1932 से मोस्ट वांटेड।' ऐसे में माना जा रहा है कि यह फिल्म ब्रिटिश शासन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा होगी। इसमें प्रभास संभवतः एक स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभा सकते हैं। इससे पहले एक पोस्टर जारी किया गया था जिसमें बंदूकों का ढेर लगा था। इसके ऊपर एक शख्स की परछाई थी। इसमें दिवाली की शुभकानाएं भी दी गई थीं।

टीवी मसाला

केबीसी में पहुंचीं ठेला लगाने वाले की बेटी

नई दिल्ली। शो केबीसी 17 में कई प्रतियोगी आते हैं, जो अपने संघर्ष की कहानी अमिताभ बच्चन को सुनाते हैं। हालिया साझा किए गए एक प्रोमो में बिहार से संबंध रखने वाली प्रियंका कुमारी 'केबीसी 17' की हॉट सीट पर बैठीं। प्रियंका ने चाट का ठेला लगाने वाले अपने पिता के स्ट्रगल को अमिताभ बच्चन को बताया। जिसे सुनकर अमिताभ ने प्रतियोगी के पिता की सराहना की। केबीसी 17 के प्रोमो में प्रियंका कुमारी अमिताभ बच्चन से कहती हैं, 'मैं एक स्टूडेंट हूं, सिविल सेवा की तैयारी करती हूं। मैं चाहती थी कि कुछ भी हो अपना खर्चा खुद उठा सकूं। पापा के ऊपर बोझ न बनूं।' वह आगे कहती हैं, 'मैं ट्यूशन देती हूं जिससे कुछ कमाई हो सके, जिसमें मैं पापा को सपोर्ट कर सकूं।' ऑडियंस के बीच बैठे अपने पिता की तरफ इशारा करते हुए प्रियंका ने आगे कहा, 'आज मेरे साथ जो आए हैं, वो मेरे जीवन के असली हीरो हैं। मेरे पापा। वह चाट का ठेला लगाते हैं। बाकी सभी को छुट्टी मिलती है, रविवार को छुट्टी मिलती है, त्योहारों पर मिलती है, लेकिन मेरे पापा कभी छुट्टी नहीं लेते हैं। धूप हो, बारिश हो, कोई भी मौसम हो, कुछ भी हो वो हमेशा काम पर जाते हैं। और उनकी मेहनत और उनका सपोर्ट आज मुझे यहां तक लेकर आया है।' अमिताभ बच्चन ने प्रियंका कुमारी के पिता को देखकर कहा, 'बेटी के बारे में आप इतना सोच रहे हैं, ये बहुत ही गर्व की बात है।' आगे प्रियंका कुमारी के पिता ने बताया कि लोग कहते हैं कि बेटी को क्यों पढ़ा रहे हो लेकिन वह ऐसा नहीं सोचते हैं। वह कहते हैं, 'देखिए, बेटी की वजह से ही मैं आज आप जैसी महान हस्ती को साक्षात देख पा रहा हूं।'

फरहाना के साथ तू-तड़ाक पर उतरीं मालती

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 के नए प्रोमो में मालती चाहर और फरहाना भट्ट किसी बात पर लड़ती दिख रही हैं। मालती ने फरहाना से कहा, हम लोग तुम्हारे ऊपर मजाक बनाते हैं कि तुम्हें कोई भी आसानी से प्रयोग कर लेता है। इसके जवाब में फरहाना कहती हैं, कौन करता है ऐसा नाम बोलो। फिर मालती ने कहा, इतने देर में तुम्हें पता नहीं चला, मुझे नाम याद नहीं रहता यहां पर कि कौन क्या बोल रहा है। इसपर फरहाना ने कहा, यही तुम्हारी दिक्कत है कि तुम्हें कोई चीज याद नहीं रहती फिर तुम अपनी कहानियां बनाती हो। इसके बाद मालती फरहाना को कई उदाहरण देते हुए कहती हैं उन्हें कोई कुछ भी बोलता है, तो वो सीधे मान लेती हैं। शो का एक और प्रोमो सामने आया है, जिसमें नेहल चुडासमा को बसीर अली के पैर पर सिर रखकर लेटा हुआ देखा जा सकता है। यह देख कुनिका ने कहा, 'इस पल को एंजाय करो दोस्तों और आगे का सोचो।

अक्षय-ट्विंकल ने रोमांटिक अंदाज में मनाई दिवाली, कृति ने घर पर दी पार्टी

नई दिल्ली। दिवाली 2025 को बॉलीवुड के सितारों ने धूमधाम से सेलिब्रेट किया। किसी ने अपने प्रशंसकों से मुलाकात की, तो किसी ने परिवार संग तस्वीरें साझा कर इस त्योहार की झलक भी दिखाई है। इस कड़ी में शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, सोनम कपूर से लेकर कई सेलेब्स शामिल हैं।

अक्षय-ट्विंकल ने मनाई दिवाली : अक्षय कुमार ने अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना के साथ दिवाली मनाई है। ट्विंकल खन्ना ने अक्षय कुमार के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह अक्षय कुमार को कुछ खिला रही हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है 'लंदन में दिवाली। सब सज-धज कर तैयार हैं, लेकिन मिठाई नजर नहीं आ रही। अब असली मिठाई के साथ मंदिर जाएंगे। सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। आपकी दुनिया रोशनी, प्यार और हंसी से भर जाए।

कार्तिक आर्यन : कार्तिक आर्यन ने खास अंदाज में दिवाली मनाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह एक पिल्ले को चूम रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा 'हर दिवाली को एक छोटे से आर्यन की जरूरत होती है! अब तक का सबसे अच्छा दिवाली उपहार।

कृति सेनन : कृति सेनन ने अपने करीबी लोगों के साथ दिवाली मनाई है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है 'प्यार, रोशनी, हंसी, लोगों से घिरे रहना, सुबह तक पंजाबी संगीत पर नाचना बहुत पसंद है! क्या यह साल का सबसे अच्छा समय नहीं है?'

रश्मिका मंदाना : दिवाली के मौके पर अपनी तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए रश्मिका मंदाना ने लिखा है 'दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं। आप सभी को हमेशा प्यार और रोशनी भेजती हूं।'

शाहरुख ने साझा की दिवाली की तस्वीर : बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने एक्स अकाउंट पर एक तस्वीर साझा कर दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने लिखा, सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं। मां लक्ष्मी जी आप सभी को समृद्धि और खुशियां प्रदान करें। सभी के लिए प्रेम, प्रकाश और शांति की कामना करता हूं।

दीपिका ने बेटी दुआ का पहली बार दिखाया चेहरा

मुंबई। इन दिनों पूरा देश दिवाली के उत्सव में डूबा है। कई बॉलीवुड सेलेब्स ने भी अपने-अपने हिसाब से दिवाली मनाई है। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने भी खास अंदाज में दिवाली मनाई है। दोनों ने एथनिक ड्रेस में अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। साथ ही अपनी बेटी 'दुआ पादुकोण सिंह' का चेहरा दिखाया है। दीपिका पादुकोण ने अपनी बेटी दुआ पादुकोण के साथ इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह अपनी बेटी को गोद में लिए हुए हैं। दुआ और दीपिका को रणवीर सिंह ने संभाला है। तीनों खुश लग रहे हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए दीपिका ने कैप्शन में लिखा है 'दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।' इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं। दीपिका पादुकोण की तस्वीरों को कई सेलेब्स ने लाइक किया है और इस पर कमेंट किए हैं।

1970 के दशक से लेकर अभी तक हर किरदार में दर्शकों का किया मनोरंजन

कॉमेडी के सरताज असरानी ने की इन फिल्मों में कमाल की अदाकारी

शोले : रमेश शिप्पी के निर्देशन में साल 1975 में 'शोले फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में असरानी ने जेलर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके संवाद 'हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं' अमर हो गया है। इस डायलॉग को आज की पीढ़ी भी धड़ल्ले से उपयोग करती है। दिवंगत अभिनेता ने इसे हिंदी सिनेमा के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया। फिल्म में अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

चुपके चुपके : ऋषिकेश मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चुपके चुपके' में असरानी ने प्रशांत कुमार श्रीवास्तव की भूमिका अदा की थी। अभिनेता ने एक मजाकिया और चतुर आदमी का रोल किया था। उनके संवाद और कॉमेडी टाइमिंग ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

नमक हराम : अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और रेखा अभिनीत 'नमक हराम' फिल्म का निर्देशन ऋषिकेश मुखर्जी ने किया था। इस फिल्म में असरानी ने धोंदू की भूमिका निभाई थी। 1973 में रिलीज हुई इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म में असरानी के किरदार ने सभी का ध्यान खींच लिया था।

भूल भुलैया : प्रियदर्शन के निर्देशन में साल 2007 में 'भूल भुलैया' फिल्म रिलीज हुई थी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में असरानी ने कर्मचारी मुरारी का किरदार निभाया था। अभिनेता ने इस मनोवैज्ञानिक कॉमेडी में अपनी कॉमेडी टाइमिंग से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था।

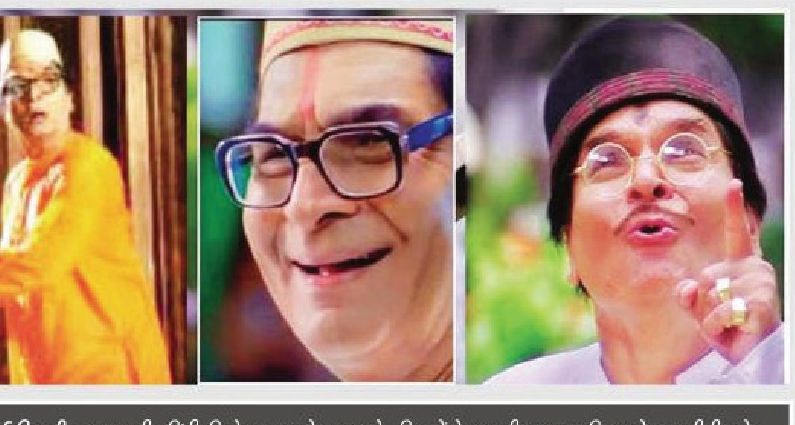

नई दिल्ली। असरानी, हिंदी सिनेमा का वो नाम थे, जिन्होंने अपनी हास्य प्रतिभा से हर पीढ़ी को गुदगुदाया। 1970 के दशक से लेकर अभी तक असरानी ने हर किरदार में दर्शकों का शानदार मनोरंजन किया। चाहे 'शोले' में जेलर की भूमिका हो या 'दे दना दन' में सुपारी किलर मामू की भूमिका हो। सभी किरदारों को उन्होंने मन से जिया। अब अभिनेता तो इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके रोल अमर हो गए हैं।

धमाल : साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'धमाल' में असरानी ने नारी कॉन्ट्रैक्टर की भूमिका निभाई थी। इस कॉमेडी फिल्म में उन्होंने दर्शकों को खूब हंसाया था। फिल्म में संजय दत्त, अरशद वारसी, जावेद जाफरी जैसे कलाकार मौजूद थे। इस फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया था।

हेरा फेरी : प्रियदर्शन के निर्देशन में साल 2000 में 'हेरा फेरी' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में असरानी ने बैंक मैनेजर की भूमिका निभाई थी। फिल्म में असरानी की अनुभवी कॉमिक टाइमिंग का फायदा मिला, उनकी सहायक भूमिका ने दर्शकों को हंसाया और कई यादगार क्षण बॉलीवुड के इतिहास में दर्ज हो गए।

खट्टा मीठा : साल 2010 में रिलीज हुई 'खट्टा मीठा' में असरानी ने करोड़ीमल की भूमिका निभाई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, तृषा कृष्णन और राजपाल यादव जैसे कलाकार मौजूद थे।

दे दना दन : प्रियदर्शन के निर्देशन में साल 2009 में 'दे दना दन' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में असरानी ने सुपारी किलर मामू की भूमिका निभाई थी। फिल्म में असरानी के रोल को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था।

जिले के 05 पी.एम. केयर्स बच्चों से मिले कलेक्टर, उत्साहवर्धन किया और दी दीपावली की शुभकामनाएं

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने आज कोरोना महामारी के दौरान अनाथ हुए पांच बच्चों से मुलाकात की, जो प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थी हैं। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय वार्तालाप करते हुए उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और देखभाल की जानकारी ली।

मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने सभी बच्चों को कलेक्टर कार्यालय का भ्रमण कराया और दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं एवं सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, जीवन में आगे बढ़ने और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत कोरोना काल में अपने माता-पिता दोनों को खोने वाले बच्चों की समुचित देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के नाम पर कलेक्टर के साथ संयुक्त खाते में 10 लाख की राशि जमा की गई है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद बच्चों को इस राशि का ब्याज लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये प्रतिमाह प्राप्त हो रहा है, जबकि 23 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उन्हें मूल राशि 10 लाख रुपये प्रदान की जाएगी, जिससे उनके आत्मनिर्भर जीवनयापन में सहायता मिल सके। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र पाटले, जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, लेखापाल वरुण सैंदाणे तथा सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती अंजनी साहू उपस्थित रहीं।

हाथियों ने रसौकी में मचाया उत्पात, किसानों की मेहनत पर फिरा पानी, फसल रौंदी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र के रसौकी गांव में बुधवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया।

करीब 10 से 12 हाथियों का दल गांव में घुस आया और किसानों की खड़ी धान की फसल को पूरी तरह रौंद डाला। रातभर गांव में अफरातफरी और दहशत का माहौल बना रहा। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों के इस फसल खाकर नसकान पहुंचा है किसानों महेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, उपेन्द्र सिंह, धर्मपाल सिंह और अजय प्रताप सिंह की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। किसानों ने बताया कि यह वही फसल थी जिससे पूरे साल परिवार की जीविका चलती थी। अब इन गरीब किसानों के सामने दोहरी मार पड़ी है एक तरफ फसल की बर्बादी, दूसरी तरफ केसीसी लोन की अदायगी का संकट। कई किसानों ने समिति मोहरसोप से कर्ज लेकर खेती की थी, अब जब फसल ही नष्ट हो गई, तो लोन चुकाने की चिंता ने सबकी नींद उड़ा दी है।

वन विभाग की टीम ने की देर रात निगरानी

ग्रामीणों ने बताया कि यह इलाका गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के सटे वन क्षेत्र में आता है, जहां से हाथियों का दल आए दिन गांवों में पहुंच रहा है। हालांकि बुधवार की रात वन विभाग एवं राष्ट्रीय उद्यान की टीम मौके पर पहुंची और देर रात तक हाथियों की गतिविधियों की निगरानी करती रही।

टीम ने ग्रामीणों को सावधानी बरतने की हिदायत दी और हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने बताया कि अगर हाथियों को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में जनहानि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने जिला प्रशासन से मुआवजा दिलाने और प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता राशि देने की मांग की है।

खोहीर गांव में सोलर पावर प्लांट ठप, महीनों से अंधेरे में ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। दूरस्थ एवं पहाड़ी अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के ग्राम पंचायत खोई के खोहीर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से लगा 10 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट पूरी तरह से ठप हो गया है।

घटना को कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक न तो सिस्टम की मरम्मत की गई है और न ही वैकल्पिक बिजली व्यवस्था की गई। सोलर प्लांट बंद होने से गांव के घरों और गलियों में अंधेरा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि के समय पूरे इलाके में अंधेरा रहने के कारण जंगली जानवरों, विशेषकर हाथियों का आतंक बढ़ गया है।

पिछले कुछ दिनों से हाथियों का झुंड बार-बार गांव की सीमा में प्रवेश कर रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि यह क्षेत्र गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के

परिक्षेत्र से लगा हुआ है, जहां से जंगली हाथी अक्सर भटक कर आसपास के गांवों में पहुंच जाते हैं। अंधेरे में किसी बड़ी जनहानि की आशंका बनी हुई है। गांव के बुजुर्गों ने बताया कि सोलर पावर प्लांट के माध्यम से गांव की बिजली आपूर्ति सुचारू रहती थी, लेकिन आकाशीय बिजली गिरने के बाद से पूरा सिस्टम जल गया है। बार-बार शिकायत के बावजूद विभागीय अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं। ग्रामीण जिला प्रशासन एवं ऊर्जा विभाग से जल्द से जल्द सोलर पावर प्लांट की मरम्मत कर पुनः बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग कर रहे हैं। साथ ही वन विभाग से हाथियों की आवाजाही रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की भी अपील की है।

प्रेमनगर क्षेत्र में हाथियों का उत्पात लगातार जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रेमनगर क्षेत्र में हाथियों का उत्पात तीसरे दिन भी जारी रहा।आज सुबह हाथियों का झुंड सड़क पार करते दिखने से लोग दहशत में आ गए।तारा से प्रेमनगर मुख्य मार्ग पर यह नजारा देखने को मिला।सड़क पार करते हाथी की तस्वीर राहगीरों ने अपने कैमरे में कैद की है।बताया गया है कि हाथी बीट क्रमांक 1983/84 के बज बहार के समक्ष के जंगलों में डेरा जमाएं हुए हैं। इन दिनों दर्जन भर से

अधिक हाथियों का दल क्षेत्र में विचरण कर रहा है।वन विभाग मुस्तैदी के साथ कर रहा निगरानी व लोगों से सतर्क रहने की अपील कर रहा है।

वन परिक्षेत्र रामानुजनगर के कांटारौली में भी हाथी देखे गए जिससे लोग भारी दहशत में है।

जमीन पर सोए व्यक्ति की सर्पदंश से मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सर्पदंश से जमीन पर सोये व्यक्ति की मौत हो गई है।खाना खाकर सोये व्यक्ति को देर रात विषैले सांप ने काट लिया। बताया गया है कि पत्नी व बच्चे खाट पर सोये थे जबकि मृतक घोटु जमीन पर सोया था इसी दौरान सांप ने काट लिया। लांजित के खालपारा की यह घटना है।

ज्वेलरी दुकान में चोरों का धावा, 5 लाख के जेवरात पार, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर के भैयाथान रोड के श्री विनायक ज्वेलर्स दुकान में बीती रात चोरों शटर को तोड़कर लगभग 5 लाख के कीमती सोने चांदी के आभूषणों की चोरी कर ली। आज सुबह ज्वेलर्स संचालक मनोज सोनी को दुकान के शटर टूटने की जानकारी मिलने पर जाकर देखा तो ज्वेलर्स दुकान में रखे 1 किलो पुराना चांदी,2 किलो नया चांदी, 11 ग्राम सोने ,कुछ फैंसी आइटम के आभूषणों को अज्ञात चोरों के हाथ साफ कर दिए। चोरी की वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है जिसमे 4 अज्ञात चोर चेहरे में कपड़ा बांधकर चोरी करते नजर आए। एक चोर दुकान के बाहर था तो एक चोर दुकान के गहने को समेटते हुए नजर आए। फिलहाल ज्वेलर्स संचालक ने चोरी की घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दिया है। ज्वेलर्स दुकान में लाखों की चोरी की घटना से नगर के ज्वेलर्स संचालक डरे हुए है।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक 4363 व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2025 बलरामपुर, दिनांक 17-10-2025

निविदा निरस्तीकरण सूचना

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर अन्तर्गत निम्न निविदाएं अपरिहार्य कारणों से निरस्त किये जाते हैं।

स.क्र.	सिस्टम क्रमांक	निविदा सूचना क्र. /दिनांक	जी क्रमांक
1	170323	05/20-06-2025	252601708

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्डः बलरामपुर (छ.ग.)

जी-252604289/1

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.)
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि मनेन्द्रगढ वनमण्डल के अधीनस्थ काष्ठागार जनकपुर में उपलब्ध पुराना ईमारती काष्ठ एवं नये जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि व समय में ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जाना है, इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार जनकपुर से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम – काष्ठागार जनकपुर
नीलाम दिनांक – 31-10-2025
नीलाम समय – प्रातः 09:00 बजे से प्रारम्भ

क्र	प्रजाति	नये अविक्रित काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ.मी.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	0	0	366	27.585	3693	41.491
2	साल	0	0	17164	1739.942	3298	87.314
3	साजा	0	0	220	25.440	82	1.807
4	हल्दू,मुण्डी,बांसा	0	0	13	1.016	0	0.000
5	धावड़ा	0	0	20	2.121	7	0.218
6	सतकठा	0	0	76	6.216	2	0.089
	योगः–	0	0	17859	1802.320	7082	130.919
7	मिश्रित जलाऊ	80 चट्टा नया		922 चट्टा पुराना			
	योग :–	80 चट्टा नया		922 चट्टा पुराना			

टीप :– 1. केता को ई-ऑक्सन के पूर्व MSTC E-commerce पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. केताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है, सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर 15 प्रतिशत E.M.D. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लॉट की थप्पी एवं फोटो MSTC E-commerce पोर्टल में अपने आई.डी से लॉगईन करके देख सकते है।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी-252604285/2

नगर सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर कलेक्टर, एसपी ने ली जनप्रतिनिधि व व्यापारी की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर में शांति, सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने नगरपालिका पार्षदगणों, एसडीएम सूरजपुर, नगर पालिका अधिकारियों, व्यापारी संघ, सर्राफा संघ, राइस मिल संघ के अध्यक्षों सहित अन्य संबंधित लोगों की संयुक्त बैठक ली।बैठक में नगर में बढ़ती चोरी की घटनाओं एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए ठोस रणनीति पर चर्चा की गई।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर के संवेदनशील एवं प्रमुख क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और पुलिस द्वारा नियमित पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही अशांति फैलाने या कानून व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए।बैठक के दौरान नगर की स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को सुधारने पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने सड़क पर अतिक्रमण करने वाले एवं यातायात में बाधा उत्पन्न करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही पार्किंग एवं नो पार्किंग जोन निर्धारित कर उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने नाली व्यवस्था को दुरुस्त करने, सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और नागरिकों की भागीदारी से स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर

नगर को स्वच्छ बनाने पर सहयोग की अपील

ने प्रत्येक वार्ड में सफाई को लेकर विशेष कैंपेन चलाने की बात कही ताकि सूरजपुर नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। इस दौरान सी एस पी डी सी एल के कर्मचारियों द्वारा पीएम सूर्यघर योजना की जानकारी दी गई। गौरतलब है कि सौर ऊर्जा आधारित बिजली को घर घर तक पहुंचाने के लिए शासन द्वारा पीएम सूर्यघर योजना चलाई जा रही है। जिसके अंतर्गत विभिन्न क्षमता के सोलर आधारित सिस्टम इंस्टॉल किए जा रहे हैं। जिसके केंद्र और राज्य शासन द्वारा सब्सिडी भी दी जा रही है।इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधियों और संघों के पदाधिकारियों ने नगर की समस्याओं और सुधार के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

कलेक्टर ने सभी के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि प्रशासन और नागरिकों के सहयोग से ही नगर को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाया जा सकता है।

ज्ञान के मंदिर में दीपदान से जगमगाया विद्यालय परिसर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के निर्देशानुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी.एस. लकड़ा रामानुजनगर द्वारा जारी आदेश के अंतर्गत दीपावली के पावन अवसर पर समस्त विद्यालयों में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में दीपदान कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय प्रांगण दीपों की पंक्तियों से जगमगाने लगा, जिससे पूरा परिसर ज्ञान के मंदिर की भांति आलोकित हो उठा। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय भवन, कक्षाओं और प्रवेश द्वार को दीपों एवं रंगोली से सजाया। रंग-बिरंगी रंगोलियों ने दीपोत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रेम, प्रकाश और संस्कार का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान और पर्यावरण हितैषी उत्सव मनाने की प्रेरणा देना रहा।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने भी सभी विद्यालयों को दीपावली के दिन ज्ञान के मंदिरों में दीपदान करने का संदेश दिया। उनके प्रेरक संदेश से प्रेरित होकर विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक इस आयोजन को सफल बनाया। विद्यालय के शिक्षक योगेश साहू एवं बच्चों ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कृषि व संबंध विभाग की ली गयी समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में आज कृषि के साथ साथ संबंध विभागों की मासिक समीक्षा बैठक ली

गई। बैठक में खरीफ फसल वर्ष 2025, आगामी रबी वर्ष 2025-26 की कृषि गतिविधियों, योजनाओं की प्रगति एवं फसल विविधीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पीएम-फसल बीमा योजना, पीएम किसान योजना इत्यादि पर बिंदुवार चर्चा की गई। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अंतर्गत संदिग्ध लाभार्थियों की पहचान एवं भौतिक सत्यापन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी व आधार सीडिंग में मौजूद तकनीकी गैप को दूर कर पात्र किसानों को समय पर लाभ देना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने, सभी मत्स्य पालकों को जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित को दिये गये। बैठक में पशुपालन विभाग की संचालित गतिविधियों एवं योजनाओं पर भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने पशुओं के पंजीयन, उपचारित पशुओं की संख्या, टीकाकरण के संबंध में जानकारी ली।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

ग्राम माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव की गूंज, विभागीय योजनाओं से रोशन हुआ ग्रामीण विकास का मार्ग

कृषकों ने पाया आत्मनिर्भरता का मंत्र, रजत जयंती महोत्सव में उमड़ा जनसमूह और विकास का उत्साह

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के भरतपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत माड़ीसरई में रजत जयंती महोत्सव का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और ग्रामीण उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी देना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना था। आयोजन स्थल पर सुबह से ही ग्रामीणों, कृषकों, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण विकास का आधार मजबूत किसान हैं, और आज राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं कृषकों के आर्थिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को भी कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी क्षेत्र में आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत कृषि स्थायी समिति सभापति श्रीमति सुखमंती सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर किसान तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और इसके लिए विभागों द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष मायाप्रताप सिंह ने ग्रामीण युवाओं को कृषि आधारित स्वरोजगार अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज का किसान सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जुड़कर आत्मनिर्भर भारत का मजबूत स्तंभ बन सकता है। कार्यक्रम में नरेश यादव, मंडल अध्यक्ष भरतपुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व में आज छत्तीसगढ़ कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। इसी क्रम में उद्यान विभाग, मत्स्य पालन विभाग, पशुधन विकास विभाग और कृषि विभाग द्वारा कृषकों को योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, मत्स्य पालन सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री गौठान न्याय योजना, उद्यानिकी मिशन, पशुधन संवर्धन योजना, जैविक खेती अभियान सहित कई योजनाओं के लाभ और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में श्रीमति अनिता चौधरी जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य भारती वेनवंश, जनपद सदस्य राजकली, कैलाश सिंह कृषि स्थायी समिति सभापति जनपद पंचायत भरतपुर, जनपद सदस्य सुखलाल मरावी, सरपंच ग्राम पंचायत माड़ीसरई, सरपंच ग्राम पंचायत हरचौका, सरपंच ग्राम पंचायत बड़वाही सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रमाशंकर मिश्रा ने की। इस दौरान समस्त कृषि विकास अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे जिन्होंने कृषकों के सवालों का समाधान किया और योजनाओं के व्यवहारिक क्रियान्वयन पर चर्चा की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में कृषकों को तकनीकी जानकारी, मिट्टी परीक्षण, बीज वितरण, पशु चिकित्सा सलाह एवं उद्यानिकी प्रशिक्षण भी दिया गया। विशेष रूप से महिला कृषक समूहों ने जैविक खाद निर्माण, सब्जी उत्पादन, और पोल्ट्री फार्मिंग के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। रजत जयंती महोत्सव के इस आयोजन ने ग्राम माड़ीसरई को विकास, एकता और जनसहभागिता का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान ग्रामीणों में गजब का उत्साह देखने को मिला, वहीं अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मिलकर यह संदेश दिया कि जब शासन, प्रशासन और जनता एक साथ खड़े होते हैं तो विकास की कोई भी मंज़िल दूर नहीं रहती। कार्यक्रम का समापन सामूहिक धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ, जहां सभी ने मिलकर ग्राम के समग्र विकास के लिए संकल्प लिया।

रजत जयंती के तहत स्वच्छाग्रहियों का पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण संपन्न

जशपुरनगर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत रजत जयंती वर्ष 2025-26 के आयोजन के तहत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छाग्रहियों का पंजीयन एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वच्छता कार्य में सक्रिय रूप से संलग्न स्वच्छाग्रहियों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा उन्हें स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हाथ धुलाई कार्यक्रम का आयोजन कर ग्रामीणों को स्वच्छता के आदतों को अपनाने और बीमारियों से बचाव के महत्व की जानकारी दी गई। उपस्थित स्वच्छाग्राहीयों ने अपने अनुभव साझा किए और ग्रामों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए निरंतर योगदान देने का संकल्प लिया। रजत जयंती वर्ष के अंतर्गत जिले में ऐसे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और ग्राम स्तर पर सतत स्वच्छता सुनिश्चित करने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

टेली-मानस-मानसिक स्वास्थ्य के लिए भारत सरकार की 24 बाई 7 निःशुल्क सहायता सेवा

■ टोलफ्री 14416 पर पूछ सकते हैं समाधान

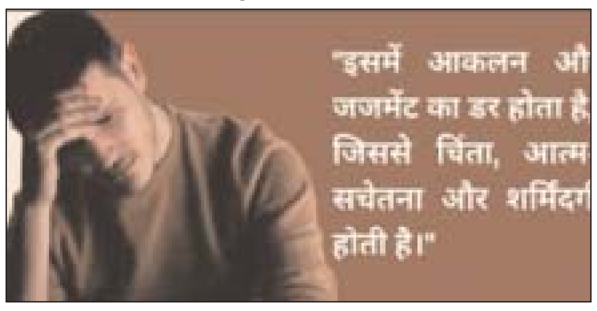

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता और सहायता को आमजन तक सुलभ बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने टेली-मानस योजना शुरू की है। यह एक राष्ट्रीय स्तर की 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन चलने वाली मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन सेवा है, जिसके माध्यम से लोग अपने मानसिक तनाव, चिंता, अवसाद या अन्य मनोवैज्ञानिक समस्याओं के लिए मुफ्त परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

लोग टोल-फ्री नंबर 14416 पर कॉल करके प्रशिक्षित परामर्शदाताओं से बात कर सकते हैं। यह सेवा हिंदी, अंग्रेजी सहित 20 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे विभिन्न राज्यों और भाषाई क्षेत्रों के नागरिकों को आसानी से सहायता मिल सके। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संचालित इस योजना में दो-स्तरीय प्रणाली अपनाई गई है।

पहले स्तर पर प्रशिक्षित परामर्शदाता आम समस्याओं जैसे तनाव, पारिवारिक कलह या कार्यस्थल के दबाव से निपटने में मदद करते हैं। जबकि दूसरे स्तर पर मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक गंभीर मानसिक समस्याओं के लिए विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करते हैं। टेली-मानस ऐप भी गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से लोग डिजिटल माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

सरकार का उद्देश्य है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ हर व्यक्ति तक पहुँचे, विशेषकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के उन लोगों तक जो मनोचिकित्सक से प्रत्यक्ष रूप से परामर्श नहीं कर पाते। इस पहल से मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक को कम करने और लोगों को खुले मन से सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करने की उम्मीद की जा रही है।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना शिक्षण हेतु आवेदन 25 तक

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर के द्वारा उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिभावान विद्यार्थी जो राष्ट्रीय स्तर के उच्च व्यावसायिक संस्थाओं जैसे आई.आई.टी., एम्स, आई.आई.एम., एन.एल.यू. एम.बी.बी.एस. जैसे संस्थाओं में शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रवेश प्राप्त कर अध्ययन कर रहे हैं उन्हें तात्कालिक सहायता प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2025-26 अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित प्रपत्र एवं दस्तावेज सहित ऑनलाइन आवेदन 25 अक्टूबर 2025 तक आवेदक के गृह जिले के संबंधित सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास जशपुर कार्यालय में जमा किया जाना है। योजना की नियम एवं शर्ते जिला जशपुर की वेबसाइट ीजजचेरूध्ध्र्रीचनतण्हवअण्पद से प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कलेक्ट्रेट परिसर जशपुर जिला जशपुर से संपर्क किया जा सकता है। निर्धारित तिथि समाप्ति पश्चात आवेदन स्वीकार नही किये जायेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना होगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छठ घाटों का निरीक्षण कर छठ महापर्व की तैयारियों का लिया जायजा

अंबिकापुर। आगामी छठ महापर्व के मद्देनज़र पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शंकरघाट और गोधनपुर स्थित घाटों पर चल रही तैयारियों का बारीकी से जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों से घाटों की साफ़-सफ़ाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय तथा यातायात प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएँ।

भाई बहन के स्नेह का पर्व भाई दूज हर्षोल्लास मनाया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ (एमसीबी)। दीपोत्सव के समापन पर भाई बहन के स्नेह का प्रतीक पर्व भाईदूज जिलेभर में पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष दिन पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर दीर्घायु, सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। सुबह से ही मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर, खोंगापानी, केल्हारी, बैकुंठपुर सहित आसपास के गांवों में पर्व की रौनक देखने को मिली। बहनों ने थाल में रोली, अक्षत, दीपक और मिठाइयाँ सजाकर भाइयों का स्वागत किया। भाइयों ने भी बहनों को वस्त्र, उपहार और मिठाई भेंट कर स्नेह का प्रतीक प्रस्तुत किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार भाईदूज का यह पर्व यमराज और उनकी बहन यमुना के प्रेम की स्मृति में मनाया जाता है। इसी दिन यमराज अपनी बहन यमुना के घर गए थे जहाँ बहन ने उनका तिलक कर आतिथ्य किया। तब से यह परंपरा अनवरत चली आ रही है। जिले के बाजारों में दिनभर मिठाई, उपहार और पूजा सामग्री की खरीदी से रौनक बनी रही। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी भाई-बहन

के स्नेह से भरे शुभकामना संदेशों की बाढ़ रही। पुलिस प्रशासन एवं यातायात विभाग ने पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए थे वहीं कई सामाजिक संगठनों ने भी इस अवसर पर भाई-बहन सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया। भाईदूज के साथ ही दीपावली पर्व का समापन हो गया लेकिन घरों में अब भी खुशियों की मिठास और दीपों की रौनक बरकरार रही।

तब और अब – 25 बरस में कोरिया में 151 सड़कों और 589 किमी का सफर

7 पुलों ने बढ़ाई आवागमन की सुविधा-सुदूर गांवों को मिला संपर्क

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस दौरान राज्य के प्रत्येक जिले में विकास की गाथाएँ लिखी गई हैं। कोरिया जिला भी इससे अछूता नहीं रहा। बीते 25 वर्षों में यहां सड़क निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2000 में जब राज्य का गठन हुआ था, तब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना या मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ जैसी योजनाओं का नाम तक ग्रामीण अंचलों में नहीं सुना गया था। लेकिन वर्ष 2025 तक का यह 25 वर्ष का सफर, सड़कों के निर्माण के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुआ है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 97 सड़कों का निर्माण किया गया, जिनकी कुल लंबाई 495.12 किलोमीटर है।मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में 25 सड़कों (83.20 किमी) और मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना के अंतर्गत 29 सड़कों (10.40 किमी) का निर्माण हुआ। इसके साथ ही 7 पुलों के निर्माण ने आवागमन को और सुगम बना दिया है। इन सड़कों और पुलों ने न केवल ग्रामीण अंचलों को जोड़ने का काम किया, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में नई संभावनाएँ भी खोली हैं। जो गांव पहले वर्षों से एक-दूसरे से कटे हुए थे, अब सहज संपर्क में हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए सड़कों के जाल को मजबूती देने पर विशेष ध्यान दिया है। इससे दूरस्थ अंचलों में रहने वाले आम नागरिकों, स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ मिला है। 25 वर्षों की इस विकास यात्रा ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता की रीढ़ हैं। कोरिया जिले की धरती अब पर्यटन, व्यवसाय और आधुनिक जीवनशैली की नई राहों पर आगे बढ़ रही है।

कोरिया में तीन दिवसीय राज्योत्सव की तैयारियां शुरू, सभी शासकीय भवनों में होंगी रोशनी

धान खरीदी 15 नवम्बर से, तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के अवसर पर जिले में 2 से 4 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने अधिकारियों को आज बैठक में दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियों की जवाबदेही तय की। जिले के सभी शासकीय भवनों में 1 से 5 नवम्बर तक विशेष रोशनी की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने उपलब्धियों की प्रदर्शनी और स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में हासिल की गई विकास यात्रा आम जनता के सामने प्रदर्शित की जानी चाहिए। कृषि क्षेत्र की तैयारियों पर भी कलेक्टर ने जोर

दिया। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर तक एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसानों का पंजीकरण होना जरूरी है। सभी एसडीएम और तहसीलदार समय सीमा के भीतर पंजीकरण सुनिश्चित करें। धान खरीदी 15 नवम्बर से शुरू होगी और 9 नवम्बर को पंजीकृत किसानों को टोकन जारी किए जाएंगे। इसके लिए बारदाना की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने मार्कफेड अधिकारी से कहा कि किसानों को कटे-फटे बोरी नहीं दें। धान खरीदी केंद्रों में सुरक्षा और बिजली, पानी जैसी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। साथ ही, बिजली विभाग से कहा गया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। जिला शिक्षा अधिकारी को जाति और निवास प्रमाण पत्र बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से कहा कि राज्योत्सव और धान खरीदी की तैयारियाँ समय पर पूरी हों और जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर डीडी मंडावी, संयुक्त कलेक्टर अमित गुप्ता, श्रीमती दीपिका नेताम, एसडीएम उमेश पटेल, अंशुल वर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री आकाश पोद्दार, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री ए.,टोप्पो, कृषि विभाग के उप संचालक राजेश भारती, जिला खनिज अधिकारी भूषण पटेल, जिला कोषालय अधिकारी पी.एस. परिहार सहित विभिन्न विभागों अधिकारी उपस्थित रहे।

पतराटोली के नारी शक्ति ग्राम संगठन में समूह के दीदियों को दी गई पोषण स्वच्छता और आर्थिक गतिविधियों की जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु स्वरोजगार, उद्यमिता एवं समूह-आधारित आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे है और शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शत् कार्य किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर विगत दिवस कलस्टर संगठन एवं ग्राम संगठन के संयुक्त तत्वावधान में जनपद पंचायत दुलदुला के ग्राम पंचायत पतराटोली के नारी शक्ति ग्राम संगठन में समूह के दीदियों को पोषण, स्वच्छता, लैगिंग उत्पीड़न के संबंध में जानकारी दी गई और जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। इस दौरान स्व सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आजीविका आधारित गतिविधियों की जानकारी भी प्रदान की गई।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य हेतु स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश

उम्मीद और मनोदर्पण से प्रेरित मानसिक स्वास्थ्य नीति होगी लागू

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाओं को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में तैयार किए गए हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी सरकारी व निजी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, प्रशिक्षण संस्थान और छात्रावासों में 'उम्मीद'और 'मनोदर्पण' से प्रेरित मानसिक स्वास्थ्य नीति लागू करनी होगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कहा कि विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। नई व्यवस्था के तहत 100 या अधिक विद्यार्थियों वाले संस्थानों में प्रशिक्षित परामर्शदाता या मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति अनिवार्य होगी, जबकि छोटे संस्थानों को बाह्य मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों से सहयोग लेना होगा। इस पहल से विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने, आत्महत्या जैसी घटनाओं की रोकथाम और संवेदनशील शैक्षणिक वातावरण निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा